राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

■ मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 बांग्लादेश से मैच के दौरान भारत ने तोड़ा अपना 17 साल पुराना सम्पादकीय | बारिश के मौसम में बढ़ जाता है | टॉप 10 में से तीन कंपनियों का मार्केट कैप 5

वर्ष 11 अंक 32 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, सोमवार 24 जून 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

आज से प्रारंभ होगा नई संसद का सत्र

- स्पीकर का चुनाव व सरकार को बहुमत सिद्ध करना पड़ेगा

नई दिल्ली। 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ लेने के साथ ही 18वीं लोकसभा का कामकाज शुरू हो गया। लोकसभा का पहला सत्र आज 24 जून से शुरू होगा। यह 03 जुलाई तक चलेगा।

10 दिन में कुल 8 बैठकें (29-30 जून को छुट्टी) होंगी। सबसे पहले प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब राष्ट्रपति भवन जाकर शपथ लेंगे। इसके बाद वे सुबह 11 बजे लोकसभा पहुंचेंगे। शुरुआत के दो दिन, यानी 24 और 25 जून को प्रोटेम स्पीकर नए सांसदों को शपथ दिलाएंगे। इसके बाद 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होगा। 27 जून को राज्यसभा का 264वां सत्र शुरू होगा। इसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा-राज्यसभा के जॉइंट सेशन को संबाधित करेंगी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी बोलेंगे। सत्र के आखिरी दो दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सरकार धन्यवाद प्रस्ताव लाएगी और दोनों

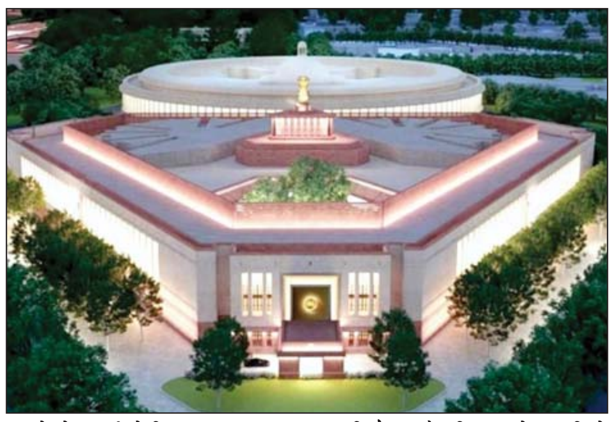

सदनों में चर्चा होगी। 10 साल बाद पहली बार पीएम मोदी के सामने मजबूत विपक्ष होगा। पिछले हफ्ते नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी, तीन क्रिमिनल लॉ, लोकसभा चुनाव के बाद शेयर बाजार में हुई गड़बड़ी के आरोपों पर विपक्ष इस बार हंगामा कर सकता है।

24-25 जून: प्रोटेम स्पीकर नए सांसदों को शपथ दिलाएंगे

स्पीकर का पद नई लोकसभा की पहली बैठक के ठीक पहले खाली हो जाता है। लोकसभा की कार्यवाही चलाने के लिए राष्ट्रपति प्रोटेम स्पीकर चुनते हैं।

स्पीकर ही लोकसभा की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हैं। आमतौर पर सदन के वरिष्ठतम सदस्य (चुनाव में जीत के आधार पर) को इस पद पर नियुक्त किया जाता है।

स्पीकर सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति के सामने शपथ लेते हैं। फिर नए सांसदों को शपथ दिलाते हैं। वह स्थायी रूप से संसद चलाते हैं। नए स्पीकर के चुनाव के साथ उनकी सेवा समाप्त हो जाती है। इस बार भाजपा के ओडिशा से लगातार 7 बार के सांसद भर्तृहरि महताब प्रोटेम स्पीकर बने हैं। कांग्रेस ने अपने 8 बार के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश को स्पीकर बनाने की मांग की थी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के सांसद लगातार नहीं जीते हैं, इसलिए उनकी वरिष्ठता का आधार नहीं बनता।

प्रोटेम स्पीकर की सहायता के लिए 5 सांसदों को राष्ट्रपति ने पीठासीन अधिकारी बनाया है। इनमें के. सुरेश (कांग्रेस), सुदीप बंदोपाध्याय, टीआर बालू और भाजपा से राधा मोहन सिंह, फगन सिंह कुलस्ते का नाम शामिल है। विपक्ष के तीनों सांसदों ने 22 जून को प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति के विरोध में अपना नाम वापस ले लिया।

शालिगराम तोमर ने विद्यार्थी परिषद के एक-एक विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य किया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नवलय संस्था द्वारा शालिगराम तोमर स्मृति समारोह आयोजित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थी परिषद के संस्थापक यशस्वी शालिगराम तोमर जी ने विद्यार्थी परिषद के एक-एक विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य किया। उन्होंने कार्यकर्ता की गलतियों को क्षमा कर उनके अंदर छुपी अच्छाइयों को निखारने का कार्य किया। शालिगराम जी ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के निर्माण के लिए उनके गुण-अवगुणों का बारीकी से अध्ययन कर उनकी प्रतिभा को उभारने में योगदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मानव भवन में नवलय संस्था द्वारा आयोजित ÷ शालिगराम तोमर स्मृति समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्यामाप्रसाद मुखर्जी और शालिगराम तोमर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा मां भारती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ कार्यकर्ता सूर्यकांत केलकर जी को शाल, स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र भेंट कर शालिगराम तोमर स्मृति राष्ट्र सेवी सम्मान से सम्मानित किया। समारोह में शालिगराम तोमर की धर्मपत्नी श्रीमती शांता तोमर तथा परिवार के अन्य सदस्य, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव, सांसद बृज मोहन अग्रवाल एवं जनप्रतिनिधि और संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शालिगराम जी ने आपातकाल में जो कार्यकर्ता जेल में थे, उनके परिवारों से जीवंत सम्पर्क कर उनका उत्साह बनाये रखने में प्रमुख भूमिका निभाई। शालिगराम जी को 1978 में %अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद% का दायित्व सौंपा गया। उन्होंने महाकौशल, मध्यप्रदेश, उड़ीसा तथा उत्तर प्रदेश में विद्यार्थी परिषद के कार्य को मजबूत किया। इस दौरान बने कई कार्यकर्ताओं ने भविष्य में राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा प्राप्त की।

वरिष्ठ नेत्री एवं समाज सेवी श्रीमती डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा कि शालिगराम तोमर जी छात्राओं और महिला कार्यकर्ताओं के कार्यों पर भी पैनी नजर रखते थे। उनसे न केवल कार्य करने की प्रेरणा मिली बल्कि देश सेवा की सीख भी मिली। शालिगराम जी ने छात्राओं को संगठन मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर देने का प्रयास किया। वह महिला कार्यकर्ताओं और छात्राओं को आगे कार्य करने का अवसर देना चाहते थे। श्रीमती नड्डा ने कहा कि शालिगराम जी का कहना था कि केवल राजनीतिक क्षेत्र का ही चयन नहीं करना चाहिए बल्कि अलग-अलग क्षेत्रों में अपना भाग्य आजमाएं और जिस क्षेत्र का चयन करें उसमें लीडर की भूमिका निभाने का प्रयास करें।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि शालिगराम तोमर जी ने विद्यार्थियों के हित में असाधारण कार्य किया। उनका जीवन कठिन परिस्थितियों से भरा हुआ था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में पौधारोपण कर प्रकृति संवर्धन और संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्मृति चिन्ह और पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शालिगराम जी की धर्मपत्नी श्रीमती शांता तोमर का शाल, स्मृति चिन्ह और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ÷नवलय अनुबोध÷ पत्रिका का विमोचन भी किया।समारोह में अभय महाजन तथा मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से पधारे बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ कायकर्ताओं ने अपने स्मरण सुनाए। समारोह में पूर्व सांसद सुप्रज्ञा ठाकुर और विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

तमिलनाडु में अवैध शराब से 56 की मौत

तमिलनाडु। तमिलनाडु के कल्लाकुरची जिले में अवैध शराब से मरने वालों का आंकड़ा अब 56 पहुंच गया है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने विपदलों खासकर कांग्रेस पर हमला बोला। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि तमिलनाडु की घटना पर इंडी गठबंधन के सभी नेताओं की चुप्पी आश्चर्यजनक है।संबित पात्रा ने कहा कि तमिलनाडु में अवैध शराब का मामला दुखद और गंभीर है। तमिलनाडु के कल्लाकुरची जिले में अवैध शराब से अब तक 56 लोगों की जान गई है। उन्होंने कहा कि खासकर करुणापुरम गांव में यह अवैध शराब की त्रासदी हुई है। यह गांव अनुसूचित जाति बाहुल गांव है।

संबित पात्रा ने कहा, ÷56 लोगों की मौत हो गई है और कई की हालत गंभीर है। करीब 200 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। यह बेहद महत्वपूर्ण विषय है, लेकिन मुझे आश्चर्य है कि मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाड्रा, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, डीएमके और इंडी गठबंधन के तमाम लोग इस पर चुप्पी साधे हुए हैं।÷पात्रा ने कहा कि हमारे बोलने से अधिक उनकी चुप्पी बोल रही है। उन्होंने कहा, ÷अगर इस देश में 32 से अधिक अनुसूचित जाति के लोगों की जान जाती है तो मैं इसे हत्या कहूंगा, यह मौत नहीं है। ये सभी दल इस वजह से चुप हैं, क्योंकि इनका राजनीतिक हित सध नहीं रहा है।

कर्नाटक : प्रज्वल का भाई सूरज रेवन्ना यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार

युवक ने समलैंगिक संबंध के आरोप लगाए

आर.एन.एस.

बैंगलुरू। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में फंसे जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना के बाद अब उसके भाई सूरज रेवन्ना को भी पुलिस ने रविवार (23 जून) को गिरफ्तार कर लिया है। सूरज पर सेक्शुअल हैरेसमेंट का केस दर्ज किया गया है।

जेडीएस पार्टी के एक कार्यकर्ता ने सूरज पर समलैंगिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। गिरफ्तार के बाद कर्नाटक पुलिस ने केस सीआईडी को ट्रांसफर कर दिया है। आरोप लगाने वाले युवक का दावा है कि 16 जून को जेडीएस एमएलसी सूरज रेवन्ना ने उसे अपने फार्महाउस पर बुलाया था। यहां सूरज ने उसे जबरदस्ती चूमा, उसके होंठ और गालों को दांतों से काटा। युवक ने शनिवार को सूरज के खिलाफ हासन जिले के होलेनरसीपुरा पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने सूरज के खिलाफ आईपीसी की धारा 377, 342, 506 के तहत केस दर्ज किया है।

हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और सूरज रेवन्ना जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं। सूरज, प्रज्वल का बड़ा भाई है। प्रज्वल पर कई महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया आज से प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नईदिल्ली। केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया आज 24 जून को हवाई मार्ग द्वारा भोपाल आयेंगे। उनका दो दिवसीय मध्यप्रदेश का दौरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

श्रीमंत सिंधिया आज 24 जून को अपरान्ह 4:30 बजे भोपाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग द्वारा राघौगढ़ पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। रात्रि को 8 बजे लक्ष्मीगंज गुना पहुंचकर जनदर्शन कार्यक्रम में अपनी सहभागिता करेंगे। 9 बजे शुभ विदाई गार्डन गुना में आयोजित आभार सभा में शामिल होंगे। रात्रि को 10:40 बजे चौधरन कॉलोनी गुना में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। रात को 11:30 बजे

मथुरानगर कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करने के बाद रात्रि विश्राम गुना में ही करेंगे। 25 जून को प्रातः 9:30 बजे उनके द्वारा जनसंपर्क किया जाएगा। फिर 10 बजे केन्द्रीय मंत्री सिंधिया अशोकनगर के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। अशोकनगर में 11:30 बजे जनदर्शन कार्यक्रम व 12:30 बजे आभार सभा कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। शाम को 5 बजे शिवपुरी में आकर जनदर्शन कार्यक्रम व आभार सभा कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। रात्रि को 7:10 बजे उनका स्थानीय कार्यक्रम रहेगा। स्थानीय कार्यक्रमों में सहभागिता करने के बाद केन्द्रीय मंत्री सिंधिया रात्रि को 9:30 बजे सड़क मार्ग द्वारा शिवपुरी से ग्वालियर के प्रस्थान करेंगे और रात्रि को जीटी एक्सप्रेस द्वारा हजरत निजामुद्दीन के लिए प्रस्थान कर जायेंगे।

चारधाम यात्रा में चार यात्रियों की मौत

उत्तराखंड। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर आए चार और यात्रियों की मौत हो गई। राज्य आपदा परिचालन केंद्र के मुताबिक, बदरीनाथ में दो और यमुनोत्री धाम में भी दो यात्रियों की जान गई है। वहीं, अब चारधाम यात्रा के दौरान जान गंवाने वाले यात्रियों की संख्या 157 पहुंच गई है।चारधाम यात्रा के दौरान अब तक केदारनाथ में सबसे ज्यादा 73 यात्रियों की मौत हुई है। वहीं, बदरीनाथ में 38, गंगोत्री में 13 और यमुनोत्री धाम में 29 यात्रियों की मौत हुई है।

नीट-यूजी में ग्रेस अंक पाने वालों की हुई परीक्षा

नीट परीक्षा में धांधली को लेकर सीबीआई ने पहली एफआईआर दर्ज की

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। नीट-यूजी एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार ने शनिवार (22 जून) रात जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंपी थी। इसके एक दिन बाद यानी आज 23 जून को सीबीआई ने इस मामले में पहली एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर एजुकेशन मिनिस्ट्री से मिले कुछ रेफरेंस के आधार पर अनजान लोगों के खिलाफ आईपीसी के सेक्शन 120-बी (क्रिमिनल कॉन्स्पिरेसी) और 420 (चीटिंग) समेत कई और धाराओं में दर्ज की गई है। 5 मई को हुई नीट परीक्षा के परिणामों में ग्रेस अंक पाने वाले 1563 अभ्यर्थियों के लिए रविवार को 6 केन्द्रों पर दोबारा परीक्षा का आयोजन किया गया। नीट ने रीएग्जाम के एडमिट कार्ड 20 जून को जारी किए थे। रिजल्ट 30 जून तक जारी किया जाएगा। संशोधित रिजल्ट जारी होने के बाद काउंसलिंग 6 जुलाई से शुरू

होगी। चंडीगढ़ में सिर्फ दो कैंडिडेट्स के लिए एग्जाम सेंटर बनाया गया था, दोनों ही नहीं पहुंचे। नीट-यूजी के रीएग्जाम में कई कैंडिडेट्स शामिल नहीं हुए। नीट री-एग्जाम उन छह शहरों में हुआ जहां समय के नुकसान के चलते बच्चों को ग्रेस अंक दिए गए थे। री-एग्जाम 6 शहरों में छत्तीसगढ़ के बालोद और दंतेवाड़ा, गुजरात के सूरत, मेघालय, हरियाणा के बहादुरगढ़ व चंडीगढ़ में आयोजित किये गये लेकिन परीक्षा केंद्र बदल दिए गए थे।

नीट पीजी परीक्षा देर रात स्थगित की गई थी

शनिवार रात 10 बजे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी प्रवेश परीक्षा को स्थगित कर दिया। परीक्षा आज 23 जून को होनी थी। मंत्रालय ने कहा है कि ऐसा एहतियाती उपाय के तौर पर किया जा रहा है। परीक्षा की नई तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी की हालिया घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी प्रवेश परीक्षा की तैयारियों की मजबूती की जांच करने का निर्णय लिया है। इसके अनुसार कल यानी 23 जून, 2024 को होने वाली नीट पीजी प्रवेश परीक्षा को स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

शनिवार रात ही एनटीए के महानिदेशक हटाए गए

केंद्र सरकार ने शनिवार रात 9 बजे एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया। प्रदीप सिंह खरोला को नया डीजी नियुक्त किया गया है। खरोला इंडियन ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गनाइजेशन के सीएमडी हैं। 1 मई 2024 को उन्हें स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के चेयरमैन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था।

आंतरिक शुद्धिकरण से ही बाहर का शुद्धिकरण हो सकता है: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- परम सत्य की ओर उन्मुख साधक की समस्त सांसारिक प्रवृत्तियाँ शान्त, अंतर्मुखी और स्थिर हो जाती हैं। शान्ति का मूल आधार केवल आध्यात्मिक विचार ही हैं। संसार के क्लेशों में उलझा हमारा मन अशान्त, व्यग्र, असहज, असंतुलित, अत्यन्त विचलित रहता है और इसका एकमात्र कारण है - सही विचारों का अभाव। जैसे ही सद्विचारों का प्रकटीकरण होता है, तभी शाश्वत आनन्द की संप्राप्ति होती है। आनन्द का अर्थ है - प्रसन्नता, शान्ति, स्फूर्ति, उमंग और उल्लास का आना। प्रसन्नता वस्तु व पदार्थ सापेक्ष नहीं, अपितु विचार सापेक्ष है! अध्यात्म का मूल है - मन की शान्ति। जीवन में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बेहतर निर्णय लेना आवश्यक है और श्रेष्ठ निर्णय केवल शान्त मन से ही लिए जा सकते हैं। अध्यात्म हमें दूसरों के लिए समाज के अभ्युदय के लिए जीवन जीना सिखाता है। आंतरिक शुद्धिकरण से ही बाहर का शुद्धिकरण हो सकता है। इसलिए आध्यामित्कता के बिना जीवन मूल्यों की धारणा नहीं हो सकती है। विश्व एक परिवार है और हम सब एक ईश्वर की संतान होने के कारण आपस में भाई-भाई हैं। 'वसुधैव कुटुम्बकम' भारत के चिन्तन का आधार है। भारत ऐसा देश है जिसने गीता के माध्यम से सारे विश्व को सन्देश दिया है कि ईश्वर को पाने के मार्ग अनेक हो सकते हैं, लेकिन ईश्वर एक ही है। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आध्यात्मिक क्रान्ति लाने की अनिवार्यता है। भौतिकवाद और विभिन्न कारणों से देश व दुनिया में बढ़ रही हिंसा व अराजकता से हमारी शान्ति खण्डित हो रही है। उन्होंने कहा कि आध्यामित्कता से ही हम मन की शुद्धि कर सकते हैं। आध्यात्मिक शिक्षा से हम सभी समस्याओं का हल निकाल सकते हैं। व्यक्ति से परिवार, परिवार से समाज, समाज से देश और देश से संसार बनता है। संसार में बदलाव लाना है तो व्यक्ति में परिवर्तन लाना पड़ेगा। सारा विश्व ही मेरा परिवार है। जब इस तरह की भावना मन में होती है तो हम दूसरों के दुःख-दर्द को अपना मानने लगते हैं।

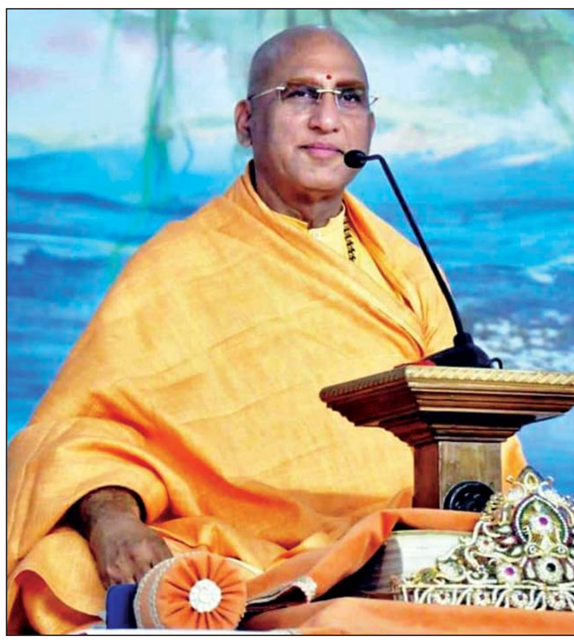

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - अन्तर्निरीक्षण तथा शान्त मन से इस विषय पर विचार करने से यही निष्कर्ष निकलेगा कि उच्च कोटि व अधिक मात्रा में भौतिक पदार्थों की प्राप्ति से सन्तुष्टता नहीं मिलती। अज्ञानता की घोर रात्रि की समाप्ति के बाद ही सन्तुष्टता का उदय होता है। वर्तमान भौतिक जगत से होने वाली प्राप्तियाँ क्षणिक और विनाशी हैं, यह अनुभूति ही सन्तुष्टता को जन्म देती है। जिसके मन से भौतिक जगत की प्राप्तियों की इच्छायें समाप्त हो जाती हैं, केवल वह व्यक्ति ही सन्तुष्ट हो सकता है। अतः सन्तुष्टता आध्यात्मिक ज्ञान की उच्चतम स्थिति का संकेतक है। जहाँ त्याग और सेवा भाव हो, और सम्पन्नता की अनुभूति हो, वहाँ ही सन्तुष्टता पनपती है। इसी प्रकार जब आन्तरिक द्वन्द्व समाप्त हो जाता है तथा मन और बुद्धि का सामंजस्य हो जाता है, तभी मानव को मानसिक शान्ति की अनुभूति होती है। जब चिन्ताओं, सांसारिक प्राप्तियों व अधिकारों की इच्छा से मानव उपराम हो जाता है, तब ही 'शान्ति' का जन्म होता है। पवित्रता ही शान्ति की जननी है। जब मानव वास्तविक तथा सतत् शान्ति की स्थिति में रहता है, तब उसके मुखमण्डल तथा मस्तक पर पवित्रता की चमक होती है। सन्तुष्टता, पवित्रता तथा शान्ति- ये त्रिगुण ही जीवन को जीने योग्य बनाते हैं। इनका जीवन में तभी पदार्पण होता है जब कोई व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान तथा राजयोग का निरन्तर अभ्यास करता रहता है। योग तपस्या के बिना मानव आन्तरिक शान्ति का न अनुभव कर सकता है और न ही उसे स्थिर रख सकता है। परन्तु समस्या यह है कि लोग प्रायः यह समझते हैं कि आध्यात्मिक ज्ञान रूचिकर नहीं है, कठिन है और केवल श्रद्धा (कई जगह 'अन्धश्रद्धा') का विषय है और मंत्र उच्चारण तथा कर्मकाण्ड पर आधारित है। परन्तु वास्तविकता यह नहीं है। आध्यात्मिक ज्ञान उतना ही रूचिकर है जितना कि अन्य कोई विषय। योग भी न कोई कर्मकाण्ड है और न ही इसमें कोई संस्कृत के मंत्र रटने की आवश्यकता है। मनन करना, स्मरण करना और अनुभव करना- यही सहज योग है। यह इतना ही सहज है। हाँ, प्रारम्भ में इसके लिए कुछ प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता है। कुछ समय इसमें लगाना उसी प्रकार है, जैसे कोई मनुष्य अधिकाधिक कमाने व प्राप्त करने के लिए अपना धन व्यय करता है। इसके अभ्यास में कुछ समय लगाने से मनुष्य सन्तुष्टता और शान्ति रूपी जीवन के अनमोल उपहारों की प्राप्ति कर सकता है। आज हर प्राणी और हर समाज शान्ति या सामंजस्य की अनुभूति व प्राप्ति के लिए कितने समय, धन और शक्ति का व्यय करते हैं, परन्तु ये सब प्रयास वे यह जाने बिना ही किये जा रहे हैं कि आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित योग और पवित्रता से ही शान्ति और सन्तुष्टता की प्राप्ति हो सकती है।

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।

हजीरा अस्पताल में मरीजों के लिए बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जाएगी: ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह

ग्रीष्मकालीन खेल शिविर 'फुटबॉल मेनिया -2024' का ऊर्जा मंत्री ने किया समापन, पुरुस्कार वितरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने हजीरा सिविल अस्पताल में मरीजों के लिए बिस्तरों की संख्या को लेकर आ रही समस्या का निदान करने तथा स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। ऊर्जा मंत्री रविवार को सुबह पल्स पोलियो अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने हजीरा सिविल अस्पताल पहुंचे थे।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इससे पहले जेसी मिल खेल मैदान में चल रहे ग्रीष्मकालीन खेल शिविर फुटबॉल मेनिया - 2024 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में हिस्सा लिया। उन्होंने खेल प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्वालियर की खेल प्रतिभाओं के विकास और प्रोत्साहन के लिए हमेशा प्रयासरत रहूंगा। उन्होंने कहा कि यहां भिन्न-भिन्न प्रकार की अपार विलक्षण प्रतिभाएं मौजूद हैं, इन प्रतिभाओं के पास खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने और उनकी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता है। हालांकि खेल जैसे गतिशील क्षेत्र में खिलाड़ियों के सपनों और जरूरतों को पूरा करने के लिए नीतियों के अच्छे तालमेल की आवश्यकता होती है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजनों से बच्चों के शारीरिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक, सामाजिक एवं नैतिक विकास को बढ़ावा मिलता है, किन्तु अभिभावकों की खेलों के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति एवं क्रियाकलाप ने बुरी तरह प्रभावित किया हैं। अतः यह अनिवार्य है कि बच्चों के साथ-साथ शिक्षक और माता-पिता भी खेल के महत्व को समझें।

श्याम प्रसाद मुखर्जी को अर्पित किए श्रद्धासुमन

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ रविवार सुबह फूलबाग स्थित भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी ने बंगाल के विभाजन के समय हिंदू बहुल क्षेत्रों को भारत में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारे देश के लिए डॉ. मुखर्जी की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। उनके विचार आज भी भारतीय जनता पार्टी और अन्य राष्ट्रवादी संगठनों में प्रतिबिंबित होते हैं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारतीय राजनीति और समाज में उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और समय से आगे की सोच के लिए जाना जाता है। उनके जीवन और कार्यों ने दिखाया कि वे न केवल अपने समय के मुद्दों को समझते थे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों और अवसरों का भी गहरा ज्ञान रखते थे।

हजीरा अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सुबह हजीरा सिविल अस्पताल पहुंचकर 0 से 5 साल तक के बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई। इसके बाद उन्होंने हजीरा सिविल अस्पताल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने अस्पताल में उपचाररत मरीजों से उनकी कुशल-क्षेम पूछी तथा व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। तदोपरांत ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर हजीरा सिविल अस्पताल के चिकित्सकों तथा जिले के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने हजीरा सिविल अस्पताल में एटीएम की तर्ज पर विधायक निधि से चार कियोस्क मशीन लगाने के निर्देश दिए। जिससे अस्पताल में आने वाले मरीज अपने शरीर के अन्दर होने वाले रोगों की स्वयं जांच कर सकें। ऊर्जा मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिविल अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए बिस्तरों की संख्या तथा सहयोगी स्टाफ की नियुक्ति जल्द से जल्द की जाए। इसके अलावा सिविल अस्पताल की किचिन मैस भी शीघ्र प्रारंभ की जाए।

सब्जी व्यापारियों की कुशलक्षेम पूछी

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर-15 विधानसभा क्षेत्र के चन्दनपुरा स्थित सब्जी मंडी पहुंचकर सब्जी व्यापारियों से उनकी समस्याएं और कुशल-क्षेम पूछी तथा त्वरित निराकरण का भरोसा दिलाया। इसके बाद उन्होंने चार शहर का नाका स्थित रामनगर के वाशिंदों से मेल मुलाकात करते हुए उनकी तकलीफों को सुना तथा पेयजल की समस्या का मौके पर रहकर अपनी मौजूदगी में निदान कराया।

जीएसटी में राहत सरकार की सकारात्मक सोच को दर्शाती है, जिससे व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा मिलेगा

व्यापारियों ने प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री सीतारामन को जीएसटी में राहत के लिए की सराहना'

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) म.प्र. के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन द्वारा जीएसटी में की गई महत्वपूर्ण घोषणाएं केंद्रीय सरकार और जीएसटी काउंसिल का व्यापार करने में आसानी प्रदान करने की दिशा में बड़ा सकारात्मक कदम है। श्री जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन के नेतृत्व की सराहना की और आशा व्यक्त की कि जीएसटी कराधान को और अधिक सरल और तर्कसंगत बनाया जाएगा।

श्री जैन ने कहा कि इन राहतों से व्यापारियों को भारी वित्तीय बोझ से मुक्ति मिलेगी और यह सरकार की व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करने के लिए अधिक से अधिक कदम उठाने की सोच को भी दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि ब्याज और पेनल्टी में छूट, इनपुट टैक्स क्रेडिट की समय सीमा का विस्तार और मुकदमेबाजी और पूर्व-डिपॉजिट आवश्यकताओं में कमी से करदाताओं को बहुत जरूरी राहत मिलेगी। ये उपाय अनुपालन को बढ़ावा देंगे और व्यापारिक समुदाय, विशेष रूप से एमएसएमई को समर्थन देंगे। आवश्यक सेवाओं की लागत को कम करने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त छूट और सिफारिशें आर्थिक वृद्धि और करदाता समर्थन के प्रति एक संतुलित और विचारशील दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। जीएसटी काउंसिल ने छात्रों और कामकाजी पेशेवरों के लिए जीवनयापन की लागत को कम करने के लिए आवास सेवाओं से संबंधित कुछ छूटों की सिफारिश की है, जिससे छात्रों और कामकाजी पेशेवरों को राहत मिलेगी। कैट म.प्र. के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने कहा कि कैट ने लगातार पहले तीन वर्षों के दौरान जीएसटी कार्यान्वयन के तहत उठाए गए उच्च मांगों के लिए कुछ प्रकार की माफी या समझौते का आग्रह किया था

श्री जैन ने कहा कि देश भर के एमएसएमई और व्यापारी उच्च मांगों के मामलों में अपील के लिए नहीं जा सके क्योंकि अपील दायर करने से पहले पूर्व-डिपॉजिट की अनिवार्य आवश्यकता थी। जीएसटी काउंसिल ने अब जीएसटी के तहत अपील दायर करने के लिए आवश्यक पूर्व-डिपॉजिट की मात्रा को कम करने की सिफारिश की है। यह करदाताओं को महत्वपूर्ण वित्तीय राहत प्रदान करेगा और किसी भी अनिश्चितता को समाप्त करेगा। जीएसटी काउंसिल ने 1 जुलाई 2017 से अधिकृत संचालन के लिए एसईजेड इकाई/डेवलपर द्वारा आयात पर लगाए गए मुआवजा उपकर को छूट देने की सिफारिश की है। इससे एसईजेड उत्पाद लागत-प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

अमर शहीद कारगिल योद्धा हवलदार सरमन सिंह सेंगर का बलिदान दिवस 28 जून को

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। कारगिल युद्ध 1999 के अमर शहीद सरमन सिंह सेंगर के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय जेल रोड स्थित कारगिल शहीद सरमन सिंह पार्क,(कारगिल युद्ध शौर्य स्मारक) बहोड़ापुर थाने के बगल से किया जाएगा।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संस्था के सचिव विठ्ठल सेंगर ने बताया कि नगर निगम ग्वालियर एवं कारगिल शहीद सरमनसिंह खेल एवं शिक्षा प्रसार संस्था व अन्य सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित अमर शहीद हवलदार सरमन सिंह का बलिदान दिवस पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 28 जून 2024 हवलदार सरमन सिंह के बलिदान दिवस पर सुबह 8:30 बजे एन.सी.सी कैडेट एवं ऑफिसर व सेना मुख्यालय से सशस्त्र सैन्य सलामी के माध्यम से अमर शहीद हवलदार सरमन सिंह को सेल्यूट किया जाएगा। सलामी के पश्चात श्रद्धांजलि सभा को सम्माननीय अतिथि गण संबोधित करेंगे। माँ भारती को समर्पित वंदे मातरम् गीत के गायन के पश्चात बलिदान दिवस का यह कार्यक्रम सम्पन्न किया जाएगा। संस्था ग्वालियर महानगरवासियों से विनम्र अपील की है कि कारगिल युद्ध 1999 के उन 527 अमर योद्धाओं को याद करते हुए ग्वालियर की माटी के सपूत कारगिल योद्धा हवलदार सरमन सिंह के बलिदान दिवस पर हम सब मिलकर उनके बलिदान को याद करते हुए अपनी

कारगिल शहिद सरमन सिंह सेंगर (सेना मेडल) शहादत दिवस – 28 जून 1999

अस्तित्व की पहचान के लिए महिलाओं ने किया ध्यान

जेसीआई ने किया स्ट्रेस फ्री मैनेजमेंट प्रोग्राम का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। महिलाओं के स्वयं सेवी संगठन जेसीआई मुरैना जाग्रति ने बीती शाम स्ट्रेस फ्री मैनेजमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया। जिसमें जेसीआई मेंबर्स के साथ कई महिलाओं ने अस्तित्व की पहचान के लिए ध्यान लगाया। कार्यक्रम में एनर्जी थेरेपी के टिप्स भी महिलाओं को दिए गए।

जीवाजी गंज स्थित केएस ऑफिस में आयोजित स्ट्रेस फ्री मैनेजमेंट प्रोग्राम में सुषमा गांगिल बतौर मेंटर उपस्थित हुईं। सबसे पहले जेसीआई की अध्यक्ष ललिता गोयल ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने महिलाओं को ध्यान का अर्थ और इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ध्यान लगाकर हम अपने अस्तित्व को जान सकते हैं। लेकिन ध्यान का व्यापक लाभ पाने के लिए इसका सतत अभ्यास करना होगा। फिर उन्होंने महिलाओं को ध्यान मुद्रा में बिठाकर ओम की ध्वनि का उच्चारण कराया। शुरुआत निम्न स्तर से करते हुए मेंटर इसे उच्च आवृत्ति तक ले गईं तो समूचा माहौल एक खास ऊर्जा से भर उठा। ध्यान लगाने वाली महिलाओं के लिए भी यह अनुभव अनूठा था। शायद यही वजह थी कि उनमें से अधिकांश की आंखों से आंसू बह निकले। महिलाओं ने बताया कि ध्यान लगाने के बाद उनके मन को शांति का अहसास हुआ। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने संकल्प भी लिया कि वे ध्यान को अपनी नित्य दिनचर्या में शामिल करेंगी।

जेसीआई की फाउंडर प्रेसिडेंट भावना जैन ने बताया कि स्ट्रेस फ्री मैनेजमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत कुछ और शेषन आयोजित करने पर भी विचार चल रहा है। इनमें एडिक्शन रिलीफ, एनर्जी हीलिंग एक्सपेरिमेंट, स्लीप थेरेपी, लाइफ मैनेजमेंट, एंजाइटी रिलीफ और गोल अचीवमेंट के तरीके सिखाए जायेंगे। अंत में जेसीआई की सचिव कंचन चावला ने सभी का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में जेसीआई की कोषाध्यक्ष अंजना गर्ग, आईपीपी ज्योति मोदी, पास्ट प्रेसिडेंट नीता बांदिल, कविता सिंघल, मधु सिंघल, सारिका, निधि गुप्ता, नीता शिवहरे, सरिता गर्ग, अनिता गर्ग, उमा सहित अन्य महिलाएं शामिल हुईं।

टक्कर से अधेड़ व्यक्ति की मौत

मुरैना। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र में विगत 21 जून को रामनगर तिराहे पर अज्ञात वाहन ने शीतल प्रसाद 55 पुत्र श्यामलाल उप्रेती निवासी आगरा को टक्कर मारकर जख्मी कर दिया था। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

क्रोध करने से व्यक्ति के पुण्यों का क्षय हो जाता है : ठाकुरजी महाराज

गुप्ता वैंकट हॉल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का तृतीय दिवस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। माधौपुरा की पुलिया के पास स्थित गुप्ता वैकंट हॉल में इन दिनों श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर कथा का वाचन डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी महाराज कर रहे हैं। कथा की परीक्षत श्रीमती सूरज देवी-रामजीलाल सविता हैं। आयोजक परिवार के सत्यप्रकाश सविता ईओडब्ल्यू म.प्र.पु. ने सभी भक्तों से कथा श्रवण कर धर्मलाभ लेने की अपील की है। रविवार को कथा के दौरान टीआई शैलेन्द्र सिंह कुशवाह, टीआई रामपाल जादौन विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महाराजश्री का अभिनंदन किया।

कथा के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी महाराज ने कहा कि व्यक्ति को कभी भी क्रोध नहीं करना चाहिए। क्रोध करने से व्यक्ति के पुण्यों का क्षय हो जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान ने बराह अवतार लेकर हिरण्याक्ष का वध किया। हिरण्याक्ष पृथ्वी को लेकर पाताललोक में चला गया। तब ब्रह्मा जी की छींक के द्वारा भगवान ने बराह अवतार लिया। भगवान ने बराह अवतार लेकर हिरण्याक्ष को मारा और पृथ्वी को अपने कंधे पर लेकर आने लगे। तब पृथ्वी को अभिमान हो गया कि भगवान मुझे कंधे पर लेकर आ रहे हैं। महाराजश्री ने कहा कि भगवान किसी का भी घमण्ड तत्काल तोड़ देते हैं। उन्होंने पृथ्वी का भी घमण्ड तोड़ा। उन्होंने कहा कि भगवान जी को सबसे ज्यादा प्रिय वृन्दावन है। हालांकि तीर्थों का राजा प्रयागराज को कहा गया है और पुष्कर जी को तीर्थों का गुरू बताया गया है। एक दिन प्रयागराज जी भगवान के यहां पहुंचे और कहते हैं कि सभी तीर्थ मुझे टैक्स देते हैं। लेकिन वृन्दावन कोई टैक्स नहीं देता। तब भगवान ने कहा कि वृन्दावन मेरा घर है, और मेरा घर किसी को टैक्स नहीं देगा। मैंने तुम्हें घर का राजा नहीं बनाया है। महाराजश्री ने कहा कि आप वृन्दावन जाएं तो भगवान के दर्शन करें। ऐसा नहीं कि वहां पर जाकर आप पिकनिक मनाने लगे। यह भगवान का घर है। यहां हमें ईश्वर से साक्षात्कार होता है। एक अन्य प्रसंग में उन्होंने कहा कि कर्दम ऋषि ने विवाह के लिए तपस्या की तो भगवान ने उनका विवाह देवहुति से करा दिया। तब कर्दम जी ने कहा कि मैं विवाह तो कर रहा हूँ लेकिन आपको मेरे यहां पुत्र बनकर आना पड़ेगा। भगवान उनके यहां दसवीं संतान के रूप में पुत्र बनकर आये। यह उनका कपिल अवतार था। एक अन्य प्रसंग में डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुर जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में जब भी कष्ट आयें तो उसे उन कष्टों को हँसते हुए सहन करना चाहिए। भगवान के जीवन में अनेक बार कष्टों का आगमन हुआ, लेकिन वे हमेशा हँसते ही रहे। यदि आप ईश्वर को अपने घर बुलाना चाहते हैं तो शुद्धता, पवित्रता, स्वच्छता का ध्यान रखा जाए। जहाँ शुद्धता व स्वच्छता नहीं होती भगवान वहां नहीं आते। इसके साथ ही महाराजश्री ने बालक ध्रुव की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि राजा उत्तानपाद की दो पत्नियां थीं सुनीति व सुरुचि। राजा ने सुरुचि के कारण सुनीति को घर से निकाल दिया था। जिस देश अथवा घर से सुनीति चली जाएगी तो निश्चित रूप से उसका एक न एक दिन पतन अवश्य होगा। बाद में सुनीति का पुत्र बालक ध्रुव भगवान की कठोर तपस्या करता है और उसे राज्य की प्राप्ति होती है।

स्व. हरिशंकर सिंघानिया के जन्मदिन पर जेके टायर में लगाया गया रक्तदान शिविर, 211 यूनिट रक्तदान हुआ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जेके टायर बानमोर में स्व. हरिशंकर सिंघानिया की 91वीं बर्थ एनीवर्सरी के उपलक्ष्य में जेके टायर में 22 जून को मेगा ब्लड डोनेशन का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में जेके टायर एण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोगी जेसीआई जोन 6 एवं दोनों ब्लड बैंक रेडक्रॉस सोसायटी ग्वालियर को 110 यूनिट एवं जिला चिकित्सालय मुरैना ब्लड सेंटर को 101 यूनिट ब्लड दिया गया। जेके टायर के प्लांट हेड अशोक कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एचआर एण्ड आई आर. जनरल मैनेजर अमित पचौरी के अथक प्रयास से उनके नेतृत्व में एचआर टीम ने बहुत मेहनत के साथ 211 यूनिट रक्तदान का टारगेट पूरा किया। स्व. हरिशंकर सिंघानिया को रक्तदान करके सभी रक्तदाताओं को सच्ची श्रद्धांजलि दी गयी। पिछले 2 साल से अधिक इस साल डोनेशन हुआ है। 31 लोगों ने पहली बार इस शिविर में प्रथम बार रक्तदान किया। जेके टायर के सभी विभागों से लोगों ने स्वेच्छा आगे आकर ब्लड डोनेशन किया एचआर जनरल मैनेजर अमित पचौरी ने स्वयं भी जेके टायर टीम के साथ रक्तदान किया। अमित पचौरी ने कहा रक्त का कोई विकल्प नहीं है। इसका निमार्ण किसी किसी फैक्टरी में नही होता है। रक्तदान जीवन दान बहुत पुनीत कार्य है। हम सभी के ब्लड से किसी बीमार पीड़ित व्यक्ति को स्वास्थ्य लाभ मिलेंगे। यह हम लोगों के लिए अति उत्तम है। इस शानदार रक्तदान की सफलता को सभी रक्तदाताओं का एवं जेके टायर समूह के योगदान से संभव हुआ है। जेसी आई जोन 6 मध्यप्रदेश से मण्डल अध्यक्ष जेसी आनन्द मिश्रा एव जोन कॉर्डिनेटर जेसी सुधीर त्रिपाठी ने जेके टायर बानमोर यूनिट हैड अशोक कुमार सिंह एवं एच एण्ड आईआर अमित पचौरी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जेसीआई की तरफ से रेडक्रॉस सोसायटी ग्वालियर डॉ. एसडी शर्मा एवं मुरैना ब्लड बैंक डॉ. निखिल जैन को को सम्मानित किया गया। जेके टायर की प्रत्येक रक्तदाता को एक टी शर्ट एवं कैप फल की टोकरी एक डोनर कार्ड ब्लड बैंक की तरफ से दिया गया। ब्लड बैंक के इस सर्टिफिकेट से ब्लड की आवश्यकता होने से आपको एक यूनिट रक्त बिना एक्सचेंज उपलब्ध होगा। जेके टायर बानमोर से अमित पचौरी ने रेडक्रॉस सोसायटी नवल किशोर शुक्ला, डॉ. एसडी शर्मा, प्रवीण भारद्वाज मुरैना ब्लड बैंक से डॉ. निखिल जैन, जेसीआई मध्यप्रदेश से जेसी आनन्द मिश्रा, जोन कॉर्डिनेटर जेसी सुधीर त्रिपाठी सभी को सम्मानित किया।

राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न

2386 परीक्षार्थियों में से प्रथम पाली में 616 और द्वितीय पाली में 645 रहे अनुपस्थित

मुरैना। राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 मुरैना जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण पूर्ण पांच परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न हुई।

प्रभारी कलेक्टर सी.बी. प्रसाद ने बताया कि मुरैना जिले में राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए पांच परीक्षा केंद्र बनाये थे। जिनमें 2 हजार 386 परीक्षार्थी उपस्थित होने थे, जिनमें से प्रथम पाली में 1770 उपस्थित रहे और 616 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में 1741 उपस्थित रहे और 645 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार परीक्षा केन्द्रवार शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 मुरैना में 400 परीक्षार्थियों में से प्रथम पाली में 297 उपस्थित रहे, 103 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में 294 उपस्थित और 106 अनुपस्थित रहे। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मुरैना में 500 परीक्षार्थी उपस्थित होने थे, जिनमें से प्रथम पाली में 357 उपस्थित रहे, 143 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में 351 उपस्थित रहे, 149 अनुपस्थित रहे।

अशासकीय नील वर्ल्ड टीआरपुरमं स्कूल में 500 परीक्षार्थी उपस्थित होने थे, जिनमें से प्रथम पाली में 374 उपस्थित रहे, 126 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में 370 उपस्थित रहे, 130 अनुपस्थित रहे। अशासकीय विक्टर कान्वेंट स्कूल में 500 परीक्षार्थियों में से प्रथम पाली में 368 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, 132 अनुपस्थ रहे। द्वितीय पाली में 359 परिक्षार्थी उपस्थित रहे, 141 अनुपस्थित रहे। शासकीय सेंटमैरी स्कूल मुरैना में 486 परिक्षार्थियों में से प्रथम पाली में 374 उपस्थित रहे, 112 अनुपस्थित रहे, द्वितीय पाली में 367 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 119 अनूपस्थित रहे। परीक्षा में जो भी अधिकारी लगाए गए थे, वे निरंतर भ्रमण करते पाये गये।

अवैध रेत उत्खनन नहीं रूका तो कांग्रेस विधानसभा से सड़क तक करेगी आंदोलन: डा. सिकरवार

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में ताबडतोड तरीके से हो रहे अवैध रेत उत्खनन से सरकार को हर माह भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है और सरकार और प्रशासन के अधिकारी इस मामले में आंख मूंदकर बैठे है। अवैध उत्खनन को लेकर हमने 10 दिन पहले कलेक्टर को एक ज्ञापन देकर अवैध उत्खनन के खिलाफ कार्यवाही करने का आग्रह किया था। लेकिन प्रशासन ने कोई कार्यवाही नहीं की, इससे भाजपा सरकार की करनी और कथनी में अंतर साफदिखाई दे रहा है। हालात इतने बदतर है कि जो खदानें राजस्व रिकार्ड में दर्ज नहीं है, उनमे से अवैध रेत उत्खनन का कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। जिलेभर में हो रहे अवैध रेत उत्खनन के मामले को हम विधानसभा से लेकर सड़क तक उठायेंगे और भाजपा सरकार की नीति और नीयत को उजागर करेंगे। यह बात रविवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में ग्वालियर पूर्व से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, विधायक साहब सिंह गुर्जर एवं विधायक सुरेश राजे ने कही।

विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा

कि ग्वालियर में रेत के अवैध उत्खनन के मामले में एक पूरा का पूरा रेत माफिया तंत्र सक्रिय है, जिनके द्वारा अवैध रेत उत्खनन का कार्य सारे नियमों को ताक पर रखकर किया जा रहा है और रेत माफिआओं के सामने भी नतमष्तक है। उन्होंने बताया कि जिले में रायपुर (चांदपुर), सेमरी (शुक्लहारी), सिली (कुम्हर्रा), पुट्टी (पुट्टी) की आड़ में बसई (बमरौली), बाबूपुर (लिधौरा), गजापुर (गजापुर) एवं लिधौरा (लिधौरा) की खदानें पूर्णतः अवैध रूप से संचालित की जा रही है। परन्तु शासन प्रशासन द्वारा इन अवैध उत्खननकर्ताओं के विरूद्ध आज दिनांक तक खनिज अधिनियम के अंतर्गत किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही की गई है जिसमें शासन प्रशासन की तरफसे कोई इच्छा शक्ति नही दिखती एवं इससे शासन को राजस्व का करोड़ो रूपये का नुकसान हो रहा है।

उन्होंने बताया कि अवैध उत्खनन और रेत के ओवरलोड वाहनों से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही है और आये दिन हादसे होते हैं। विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि यदि रेत माफिआओं के खिलाफ अतिशीघ्र कार्यवाही नहीं की गई तो बडे स्तर पर आंदोलन किया जायेगा। विधायक साहब सिंह गुर्जर ने कहा कि रेत माफिआ पेटी कॉन्टेक्ट पर काम देता है। उन्होंने कहा कि चार खदाने स्वीकृत हैं और पांच अवैध रूप से चल रहीं हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान का गणपत नाम का व्यक्ति ही रेत माफिआ रैकेट चला रहा है और इस भाजपा सांसद ,नेता,ओर मंत्रियों का संरक्षण प्राप्त है।

एमपी पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा हुई

- ग्वालियर में 37 परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे, परीक्षार्थियों ने बड़ागांव खेरिया केन्द्र पर पेपर का पैकेट खुला होने का आरोप लगा हंगामा मचाया

ग्वालियर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 रविवार को ग्वालियर में 37 परीक्षा केन्द्रों पर हुई। जिले में 14437 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी, लेकिन 15 प्रतिशत परीक्षार्थी परीक्षा देने नहीं आए।

एमपी-पीएससी की परीक्षा शुरू होने से पहले परीक्षार्थियों को कड़ी चेकिंग के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया। परीक्षार्थियों से मोबाइल, पर्स, स्मार्ट वॉच सहित साधारण वॉच भी बाहर रखवा ली गई थी। लड़कियों को परीक्षा सेंटर के अंदर जाने से पहले बालों में लगे रबर बैंड, क्लेचर, हाथों में कलावा तक खुलवा लिया था। पहले पाली में हुए जीएस के पेपर के बाद जब परीक्षार्थियों से बात की गई तो उनका कहना था कि पेपर न ज्यादा कठिन था न ही एक दम सरल था। औसम पेपर था। जिसमें सभी कुछ सिलेबस से आया था। ऐसा कुछ भी नहीं था जो पढ़ा नहीं हो। अभ्याथियों को परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पूर्व केन्द्र पर उपस्थित होना था। परीक्षार्थी ठीक एक घंटे से पहले ही परीक्षा केन्द्र पहुंच गए थे। परीक्षार्थी केन्द्र में मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रोनिक डिवाइस नहीं ले जा सके। परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर जाना भी वर्जित रहा।

वहीं बड़ागांव खेरिया मोदी सर्वधर्म शिक्षा महाविद्यालय में परीक्षार्थियों ने हंगामा खड़ा कर दिया। परीक्षार्थियों का कहना था कि जब पेपर पैकेट क्लास में आया तो वह खुला हुआ था। जबकि नियम में पेपर पैकेट परीक्षार्थियों के सामने ही खोला जाता है। हंगामा कर रहे छात्रों को परीक्षा हॉल से बाहर भी निकाल दिया गया। आखिर में प्रशासनिक टीम आई तो उनके सामने भी छात्रों ने यही आरोप लगाया। हालांकि इस मामले में छात्रों ने कोई लिखित शिकायत नहीं की है।

जीजा को गोली मारने वाला साला पकड़ा

ग्वालियर। जीजा को गोली मारकर फरार हुए आरोपी साले को तिघरा थाना पुलिस ने बहोड़ापुर थाना क्षेत्र से दबोच लिया है। पकड़े जाने से पहले आरोपी ने पुलिस को चकमा देने के लिए पहले दौड लगाई और फिर गलत नाम बताकर गुमराह किया, लेकिन पुलिस ने उसकी एक ना सुनी और थाने लाकर पूछताछ की तो आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

तिघरा थाना प्रभारी शिव कुमार शमा ने बताया कि चार दिन पहले ताल का पुरा निवासी सुनील कुशवाह को उसके साले रंजीत कुशवाह निवासी किशनपुर मुरैना ने जान से मारने की नीयत से उस समय गोली मारी थी, जब सुनील कुशवाह पत्नी को दवा दिलाकर वापस आ रहा था और अभी वह ओड़पुरा पहुंचा ही था कि तभी रंजीत ने उस पर फायरिंग कर दी। गोली मारने के बाद आरोपी फरार हो गया था और घायल को उपचार के लिए भर्ती कराया था। अरोपी को पकडने के लिए पुलिस ने मुरैना में उसके घर व अन्य रिश्तेदारों के घर दबिश दी, लेकिन आरोपी हाथ नहीं आया, यहीं पर पुलिस को लीड़ मिली थी कि रंजीत के कुछ रिश्तेदार बहोड़ापुर इलाके में रह रहे है। इसका पता चलते ही पुलिस ने दबिश दी और उसे दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में पकड़ा गया आरोपी पुलिस को अलग-अलग कहानी सुना रहा है और हर बार सिर्फ एक ही बात पर आकर चुप्पी सांध जाता है कि बहनोई बहन की मारपीट करता था, जिसके चलते उसने गोली मारी है। जब पुलिस मारपीट का कारण पूछती है तो वह चुप्पी सांध जाता है।

दीवार गिरी, मासूम की दबकर मौत

ग्वालियर। दरवाजे पर खेल रहे मासूम के ऊपर अचानक भरभराकर दीवार गिर गई। हादसे में मासूम की मौत हो गई। घटना रविवार सुबह थाटीपुर थाना क्षेत्र स्थित भदौरिया मार्केट के पास स्थित पीली बिल्डिंग की है। घटना का पता चलते ही परिजन और आस-पास के लोग बचाव में जुटे और दीवार की चपेट में आए बालक को बाहर निकाला तो वह गंभीर घायल था। घायल बालक को लेकर परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

थाटीपुर थाना क्षेत्र के भदौरिया मार्केट के पास पीली बिल्डिंग में राकेश बाथम रहते हैं। रविवार की सुबह राकेश की बेटी मधु का तीन साल का बेटा साहिल आंगन में खेल रहा था और मधु पास में ही काम कर रही थी। अचानक तेज आवाज के साथ साहिल की चीख सुनाई दी तो मधु बाहर आई

तो आंगन के पास वाली दीवार गिरी पड़ी थी और अंदर साहिल दबा हुआ था। हादसा देख मधु ने शोर मचाया और दीवार हटाने में जुट गई, उसकी चीख सुनकर अन्य परिजनों के साथ ही आस-पास के लोग एकत्रित हुए और मलवा हटाकर साहिल को बाहर निकाला, साहिल की हालत काफी खराब थी और परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिल्डिंग के बारे में बताया गया है कि वह काफी कंडम हो चुकी है और रहने योग्य नहीं है। इस बिल्डिंग की राकेश पिछले 28 साल से इस बिल्डिंग में रहकर देखभाल करता था।

बताया गया है कि चार साल पहले मधु का विवाह फिरोजाबाद निवासी इंद्रजीत बाथम से हुआ था। पिछले तीन माह से मधु यहां पर अपने इकलौते बेटे के साथ रह रही थी। कुछ लोगों का कहना था कि मधु का और उसके पति का विवाद हो गया था और उसके बाद वह नाराज होकर मायके आ गई थी। इकलौते बेटे की मौत का पता चलते ही उसकी मां मधु की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। उसकी हालत देखकर परिजन उसे पास ही स्थित एक डॉक्टर के पास ले गए। घटना के बाद परिजनों ने अभी पुलिस को सूचना नहीं दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार कार पलटी, दो घायल

ग्वालियर। तेज रफ्तार आ रहीं कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार दो युवक घायल हो गए। घटना कंपू थाना क्षेत्र के शिवपुरी लिंक रोड पर रविवार की सुबह का है। हादसे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

कंपू थाना क्षेत्र स्थित शिवपुरी लिंक रोड पर आज तेज रफ्तार आ रही कार क्रमांक एमपी 07 सीएफ6647 अचानक अनियंत्रित हो गई और चालक जब तक कार को संभाल पाता उससे पहले कार डिवाइडर पर चढ़ गई और पलट गई। कार के पलटते ही कार में सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए। घटना के बाद घायलों की चीख-पुकार सुनकर वहां से निकल रहे वाहन चालक व राहगीर मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला, लेकिन उनकी हालत गंभीर थी तो पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती एम्बुलेंस उन्हें लेकर रवाना हो गई। पुलिस ने कार को निगरानी में लेकर घायलों की जानकारी जुटाने में लग गई है।

भाई और भतीजों ने वृद्ध को पीटा

प्लॉट के विवाद पर भाई और भतीजों ने 65 वर्षीय वृद्ध की मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे दी। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के शंकरपुर की है। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के शंकरपुर निवासी 65 वर्षीय तबारक हुसैन और उनके भाई फजल हुसैन से एक प्लॉट को लेकर विवाद चल रहा है। इसी विवाद के चलते बीते रोज फजल हुसैन, सोनम, तय्यूब और सद्दाम हुसैन के साथ उनके घर पर पहुंचे और गाली गलौज करना शुरू कर दिया। जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने उनकी बेरहमी से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे दी।

हत्या के प्रयास के मामले में फरार पांच हजार का इनामी गिरफ्तार

ग्वालियर। ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले पांच हजार रुपए के इनामी बदमाश को गोला का मंदिर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आये इनामी आरोपी की तलाश में पुलिस डेढ़ माह से जुटी हुई थी, लेकिन आरोपी पुलिस को गच्चा दे रहा था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करना शुरू कर दी है। इस मामले में पुलिस अभी तक कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

गोला का मंदिर थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा ने बताया कि विगत तीन मई को पिण्टो पार्क में ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैलाने और कई लोगों की जान के लिए संकट बनने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया था, लेकिन वह हाथ नहीं आ रहा था। बीते रोज पुलिस ने आरोपी विजय गुर्जर निवासी पारसेन को पकड़ा है। बताया गया है कि गिरफ्तार किया गया आरोपी विजय गुर्जर काफी शातिर है और इसे पकडने के लिए पुलिस ने करीब आधा सैकड़ा से ज्यादा स्थानों पर दबिश दी, लेकिन हर बार वह पुलिस को चकमा दे जाता था। पुलिस ने इस मामले में अभी तक सम्राट गुर्जर, अजय यादव, दिनेश गुर्जर, लालू यादव, भोला और शाहिद मेवाती को पकड़ा है। वहीं पुलिस को पता चला है कि पकड़े गए आरोपी विजय गुर्जर पर कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

उल्लेखनीय है कि पिण्टो पार्क निवासी सौरभ सिंह तोमर का बीएसएफ कॉलोनी निवासी संजीव गुर्जर से पुराना विवाद चल रहा है। शुक्रवार को सौरभ तोमर के घर पर दोनों पक्ष राजीनामा की बातचीत के लिए एकत्रित हुए थे और यहां पर संजीव, दिनेश सिंह ने अपने साथियों के साथ दनादन फायरिंग कर दी थी। फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई थी। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक आरोपी वहां से भाग निकले थे। पुलिस ने आरोपियों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

महिला पतंजलि योग समिति की बहनों ने अनाथ बालिकाओं को कराया योग, बांटी टीशर्ट

ग्वालियर। 21 जून को 10वें अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति की बहनों ने माँ कैला देवी बालिका गृह वन स्टॉप सेन्टर

जयारोग्य चिकित्सालय परिसर कम्पू पर पहुंचकर अनाथ गरीब बच्चों को योग कराया और उन्हें टीशर्ट व खाद्य सामग्री वितरित की। महिला पतंजलि योग समिति की योग शिक्षिका श्रीमती अमिता त्रिपाठी ने बताया कि दसवें अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति की बहन दलजीत मान, अंजलि लालवानी व अन्य के साथ वह माँ कैला देवी बालिका गृह वन स्टॉप सेन्टर जयारोग्य चिकित्सालय परिसर कम्पू पहुंची और यहां रहने वाली 30 अनाथ गरीब बालिकाओं को योग कराकर उन्हें टीशर्ट व बिस्किट वितरित किये।

पेट्रोलपंप कारोबारी का सोलह वर्षीय बेटा लापता

ग्वालियर। घर से कोचिंग की कहकर निकला सोलह वर्षीय पेट्रोल पंप कारोबारी का बेटा लापता हो गया। घटना सिरोल थाना क्षेत्र के ईस्ट मेरेडियन मल्टी की है। छात्र के गायब होने का पता चलते ही परिजन थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की।

भिण्ड निवासी मुकेश शर्मा पेट्रोल पंप कारोबारी है और उनका परिवार सिरोल में रह रहा है। बीते रोज उनका सोलह वर्षीय बेटा घर से कोचिंग जाने की कहकर निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं आया तो परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की और कोचिंग पहुंचे तो पता चला कि वह तो कोड्क्षचग आया ही नहीं। इसका पता चलते ही परिजन थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर अपहरण का मामा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो घर के पास लगे कैमरे में छात्र अकेला जाता हुआ कैमरों में कैद हुआ है। पुलिस अब आगे कोचिंग तक लगे कैमरे खंगालने शुरू कर दिए है।

सत्रह वर्षीय किशोर व छात्रा गायब

पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के जलालपुर निवासी सत्रह वर्षीय किशोर लापता हो गया। किशोर के लापता होने का पता उस समय चला जब काफी समय बाद भी वह वापस नहीं आया तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। वहीं बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के रामाजी का पुरा स्थित खो वाली माता मंदिर के पास रहने वाली सत्रह वर्षीय किशोरी लापता हो गई। किशोरी के लापता होने का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। परिजनों ने छात्रा के अगवा होने का संदेह पास ही रहने वाले नूरा शाह पर व्यक्त किया है।

शराब लेकर आया तस्कर दबोचा

ग्वालियर। शराब की खेप लेकर आए एक तस्कर को तिघरा थाना पुलिस ने नानू बाबा की दरगाह के पास कुलैथ से दबोचा है। तिघरा थाना प्रभारी शिव कुमार शर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक तस्कर कुलैथ में शराब की खेप लेकर आने वाला है। इसका पता चलते ही प्रधान आरक्षक अर्जुन धाकड़ व अन्य पुलिसकर्मियों को सूचना की तस्दीक व कार्रवाई के लिए पहुंचाया, पुलिस जब नानू बाबा की दरगाह के पास पहुंची तो पुलिस को देखते ही एक युवक भागने लगा। जिसका पुलिस ने पीछा कर पकड़ा और पूछताछ की तो पता चला कि वह कुलैथ का रहने वाला बन्नू पुत्र आसीन खान है।

प्रकृति को हरा भरा रखने के संकल्प के साथ काम करेगी लायंस क्लब क्लासिक की टीम

ग्वालियर। पर्यावरण को सुरक्षित रखना देश के हर नागरिक का कर्तव्य है। प्रकृति को हरा भरा रखने के लिये लायंस क्लब ग्वालियर क्लासिक की नई टीम ने इस बार सह ए ड्रीम टू मेक नेचर ग्रीन की थीम को अपनाया है। वर्ष 2024-25 में टीम इसी भावना के साथ कार्य करेगी। यह निर्णय लायंस क्लब ग्वालियर क्लासिक की प्रथम कार्यकारिणी सभा में नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमन सेठ के नेतृत्व में लिया गया।

लायंस रमन सेठ ने बताया कि इस थीम को मूर्तरूप देने के लिए हम लोगों को पौधरोपण और पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे। टीम के सदस्यों की वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर टीम

द्वारा उनके घर या प्रतिष्ठान पर जाकर उन्हें पौधा भेंट किया जायेगा एवं उस पौधे का रोपण भी करवाया जाएगा। रोपे गए पौधों की निगरानी करने के लिए सदस्यों को प्रेरित भी किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यकारिणी सभा में वार्षिक कार्ययोजना की प्रस्तुति भी की गई। सभा में कीनोट स्पीकर के रूप में मौजूद प्रांतपाल प्रथम लायन सुधीर वाजपेयी ने आगामी कार्ययोजना की सराहना की।

सभा में लायन नितिन मांगलिक ने सभी सदस्यों में उर्जा का संचार किया। प्रथम कार्यकारिणी सभा में प्रांतपाल प्रथम सुधीर वाजपेयी, पीडीजी लायन नितिन मांगलिक, आरसी लायन शिवशंकर अग्रवाल, फाउंडर प्रेसीडेंट लायन ममता अग्रवाल, आईपीपी रश्मि शेंडगे, कोषाध्यक्ष आलोक पहारिया, मानसेवी सचिव गोपाल गुप्ता पहारिया मौजूद रहे।

कबीर जयंती पर जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाने का लिया संकल्प

ग्वालियर। मप्र अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) द्वारा थाटीपुर स्थित प्रांगण में कबीर जयंती मनाई गई। इस अवसर पर समाजसेवियों ने उनके कृतत्वों को याद करते हुए नमन किया। साथ ही पदाधिकारियों ने कबीर साहेब के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अजाक्स के प्रांताध्यक्ष चौ. मुकेश मौर्य ने कहा कि संत कबीर दास के दोहे आज के परिपेक्ष्य में बिल्कुल सटीक हैं। वह अक्सर कहते थे कि व्यक्ति से सब कुछ बांटा जा सकता है, लेकिन शिक्षा ही ऐसी चीज है जिसे कोई बांट नहीं सकता है। समाज का उत्थान तभी हो सकता है जब उसके सभी लोग शिक्षित होंगे। आज वही समाज पिछड़े हैं, जहां

असाक्षरता का दर ज्यादा है। इसलिए समाज तो सशक्त करना है तो सभी को साक्षर करना होगा। भले ही उनकी आर्थिक स्थिति खराब क्यों न हो। समाज के गरीब लोगों की मदद करनी हैं तो उनके बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाओ। वह सक्षम हो गए तो पूरा उस परिवार सशक्त हो जाएगा।

प्रांतीय महासचिव एड. अतर सिंह ने कहा कि त्याग, समर्पण और अनुशासन जीवन का हिस्सा है, इनके बिना जीवन में कुछ हासिल होने वाला नहीं है। जिलाध्यक्ष मनोहर कटारिया ने कहा कि कबीर साहेब के संदेश को जीवन में उतारना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय महासचिव प्रशासन एड. जाटव ने किया। आभार मुरारी लाल लिथोरिया ने माना। इस अवसर पर पूर्व विधायक कमलापति आर्य, केके शल्या, एमपी सिंह, धर्मेंद्र आर्य, रामेश्वर राम पटेल, किशोर चौहान, वृंदावन लुढ़ेले, कमलेश जाटव, पुत्तू सिंह परिहार, परसराम बकना, महेंद्र करारिया, राजवीर राजे राजकुमार आर्य, गजेंद्र, पीएल चंदेरिया, मनोज पंचोली, ओमप्रकाश, कमल, शेखर, विशाल, संतोष आदि उपस्थित रहे।

हर सनातनी को अपने धर्म का पालन करना चाहिए: पं. तिवारी

ग्वालियर। ग्राम दुबहा में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के दूसरे दिन प्रसिद्ध भागवत आचार्य पंडित रवि तिवारी ने बताया कि कथा का फल उसी मनुष्य को मिलता है जो कथा के एक भी शब्द बिना छोड़े श्रवण करता है। हर सनातनी को अपने धर्म का पालन करना चाहिए और अपने बच्चों को धर्म के मार्ग पर चलना सीखाना चाहिए। जिस मनुष्य के मुख पर भगवान का नाम कभी नहीं आता है उसका उद्धार नहीं हो सकता है।

मनुष्य को अपने कल्याण की हमेशा चिंता करनी चाहिए और उसे भगवान की शरण में जाना चाहिए क्योंकिं भगवान ही मनुष्य का कल्याण करते हैं। मनुष्य को सुख की प्राप्ति होती है तो वह भगवान के शरण में नहीं जाता है लेकिन जब मनुष्य के जीवन में दुःख प्रवेश करता है तो वह कहता हैं कि यह सब भगवान की गलती है। मनुष्य को सब कुछ भगवान पर छोड़ देना चाहिए, क्योंकि भगवान ही मनुष्य को उसके कर्मों का ही फल मिलता है।

सनातन धर्म मण्डल के चुनाव 11 अगस्त को, दूदावत बने चुनाव अधिकारी

– मण्डल की सभा में बजट पास, रविंद्र हुए बहाल

ग्वालियर। श्री सनातन धर्म मण्डल की साधारण सभा लंबे समय के बाद रविवार को प्रधानमंत्री महेश नीखरा की उपस्थिति में संपन्न हुई। सभा में एक सैकड़ा से ज्यादा सदस्य उपस्थित थे।

श्री सनातन धर्म मण्डल की साधारण सभा में मुख्य मुददा चुनाव का छाया रहा, क्योंकि वर्तमान मंडल का कार्यकाल काफी समय पहले ही समाप्त हो चुका है। लेकिन पदाधिकारियों के साधारण सभा की बैठक नहीं बुलाने से चुनाव पर चर्चा

नहीं हो सकी। रविवार को हुई सभा में सदस्यों की उपस्थिति में आगामी 11 अगस्त को मंडल के चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही अरविंद दूदावत को निष्पक्ष चुनाव के लिये अधिकारी भी मनोनीत किया गया। वहीं मंडल की बैठक में सदस्य रविंद्र सिंघल (चौबे) को बहाल कर दिया गया। चौबे की बहाली के बिंदु को कृष्ण कुमार गोयल ने उठाया, जिस पर सदन ने एकमत होकर सदस्यता की बहाली की अनुमति दे दी। सभा के प्रारंभ में 2019 से लेकर 2023-24 तक का एक ही बार में बजट भी पास कर दिया गया। ऐसा पहली बार हो रहा है कि जब पांच साल का बजट एक साथ पास हुआ हों। जबकि विधान की माने तो हर साल सभा की बैठक बुलाकर बजट पर चर्चा कर उसे पास किया जाता है। लेकिन लगता है वर्तमान पदाधिकारियों को विधान में भरोसा नहीं है, तभी तो लंबे अर्से बाद सभा की बैठक बुलाई गई और उसमें एक बार में ही पांच साल का बजट पास किया गया।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के तहत शहर के नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने एवं आदतन कचरा फैलाने व डस्टबिन का उपयोग न करने वालों के खिलाफ नगर निगम द्वारा निरंतर अभियान चलाकर जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान रविवार को भी चला। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनुज शर्मा ने बताया कि गंदगी फैलाने पर वार्ड 21, 52 के गुड़ी गुड़ा नाका स्थित सुरेश कुमार शिवहरे (वाइन शॉप) से 500 रुपये, वाइन शॉप के सामने की दुकानों का राजू यादव से 250 रुपये, मोनू तोमर से 250 रुपये, संजय कुमार शिवहरे से 250 रुपये वही एक व्यक्ति हरिओम नामक से 100 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। कुल 1250 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

कार्यवाही के दौरान फ्लाइंग स्कॉट प्रभारी धर्मेंद्र धीरज धौलपुरिया, जेडएचओ विजय कुमार, हेमराज चौहान, फ्लाइंग स्क्वायड सदस्य त्र प्रदीप राज चौहान, त्र राजकमल चौहान, त्र मोनू बाल्मिक आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

बारिश के मौसम में बढ़ जाता है फंगल इंफेक्शन का खतरा

बारिश के मौसम में लोग अक्सर दाद, खाज, खुजली से परेशान रहते हैं। इसको फंगल इंफेक्शन कहा जाता है। फंगल इंफेक्शन आमतौर पर गीले में रहने, नमी व पसीने की वजह से हो जाता है। इस आर्टिकल में हम आपको इससे बचने के तरीके बताएंगे। बारिश के मौसम में फंगल इंफेक्शन परेशान करता है। इस परेशान व्यक्ति को भयंकर खुजली होती है। फंगल इंफेक्शन गीले में रहने, नमी व पसीने से होता है। बारिश के मौसम में कई तरह की बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। इस मौसम में त्वचा से संबंधित समस्या भी अधिक होने लग जाती है। सबसे ज्यादा फंगल इंफेक्शन की समस्या रहती है, जिसका कारण गीले में रहना, नमी और पसीना है। स्किन स्पेशलिस्ट एवं कास्मेटोलाजिस्ट ने फंगल इंफेक्शन से बचाव के तरीके बताए हैं।

बारिश के मौसम में बैक्टिरिया व वायरस लेकर आते हैं बीमारियां, डॉक्टर से जानें इससे बचने के तरीकेबारिश के मौसम में बैक्टिरिया व वायरस लेकर आते हैं बीमारियां। फंगल इंफेक्शन से बचाव के लिए ध्यान रखें कि ज्यादा टाइड कपड़े नहीं पहने चाहिए। बारिश में भीगने से बचें। अगर, भीग भी जाते हैं तो तुरंत कपड़े बदलें। खासकर इस मौसम में अपने अंडर गारमेंट भी प्रेस करके ही पहनें, क्योंकि अभी धूप भी नहीं होती है। फंगल इंफेक्शन को लेकर लोग जागरूक नहीं है, वह डॉक्टर के पास आने से पहले मेडिकल से लाकर क्रीम लगाने लग जाते हैं। इससे उन्हें उस समय तो ठीक लगता है, लेकिन बाद में इंफेक्शन तेजी से फैल जाता है। हमेशा विशेषज्ञों की सलाह से ही उपचार लें। किसी को फंगल इंफेक्शन हो भी जाता है, तो उसे अपने कपड़े, टावेल किसी ओर को उपयोग नहीं करने देना चाहिए। इस मौसम में फफूंद भी सामान्य समस्या रहती है। यह पीठ और सीने पर होती है। उंगलियों के बीच में दाद की समस्या भी इस मौसम में अधिक देखने को मिलती है। इस दौरान मोजे पहनने से बचें। इस मौसम में अच्छी त्वचा के लिए हाइजीन का भी ध्यान रखना रखें। खानपान में पौष्टिक आहार का सेवन करें।

18वीं लोकसभा: पक्ष और विपक्ष का क्या रिश्ता बनेगा ?, नौकरियों के एजेंडे को आगे लाना जरूरी

भाजपा और उसके चुनाव पूर्व सहयोगियों और अघोषित सहयोगियों (वाईएसआरसीपी और बीजेडी) की आवाज के सामने विपक्ष की आवाज दब गई। भारतीय जनता पार्टी ने इस बात पर विचार करने की जरूरत नहीं समझी कि संख्या बल में कम होने के बाद भी संसद की परंपराओं को किस तरह से बनाए रखा जा सकता है। विपक्षी पार्टियों बार-बार शिकायत करती रही कि संसद की परंपराओं का पालन नहीं किया गया। कई निष्पक्ष पर्यवेक्षक ने भी यह माना था कि दोनों सदन ठंडे पड़ गए। 2024 के लोकसभा चुनाव ने सत्ता दल और विपक्ष दोनों को संसद की गौरवमयी परंपराओं को जीवित रखने का एक बार फिर से मौका दिया है। यही लोकतंत्र का स्वरूप भी है और सार भी।

2024 के लोकसभा चुनाव ने एक बार फिर सत्ता पक्ष और विपक्ष को संसद की गौरवमयी परंपराओं को जीवित रखने का मौका दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कम बहुमत वाली भाजपा का इस नए विपक्ष के साथ किस तरह का रिश्ता बनता है। अठारहवीं लोकसभा के परिणाम ने एक मजबूत विपक्ष खड़ा किया है, जो 16वीं और 17वीं लोकसभा में नहीं के बराबर था। 2014 और 2019 में हुए पिछले दो लोक सभा चुनावों में कांग्रेस 44 और 52 सीटें लेकर मुख्य विपक्षी पार्टी थी, लेकिन वह विपक्ष के नेता का पद भी नहीं जीत सकी। भाजपा को छोड़कर अन्य सभी पार्टियों के पास बहुत कम सीट थी। भाजपा और उसके चुनाव पूर्व सहयोगियों और अघोषित सहयोगियों (वाईएसआरसीपी और बीजेडी) की आवाज के सामने विपक्ष की आवाज दब गई। भारतीय जनता पार्टी ने इस बात पर विचार करने की जरूरत नहीं समझी कि संख्या बल में कम होने के बाद भी संसद की परंपराओं को किस तरह से बनाए रखा जा सकता है। विपक्षी पार्टियों बार-बार शिकायत करती रही कि संसद की परंपराओं का पालन नहीं किया गया। कई निष्पक्ष पर्यवेक्षक ने भी यह माना था कि दोनों सदन ठंडे पड़ गए। 2024 के लोकसभा चुनाव ने सत्ता दल और विपक्ष दोनों को संसद की गौरवमयी परंपराओं को जीवित रखने का एक बार फिर से मौका दिया है। यही लोकतंत्र का स्वरूप भी है और सार भी। इस बार विपक्ष सवा दो सौ से अधिक सीटों के साथ मजबूती से खड़ा है। विपक्ष कांग्रेस के 2024 के मेनिफेस्टो %न्याय पत्र% से शुरु कर सकता है, जिसमें निम्नलिखित वादों को शामिल किया गया था ~ हम यह वादा करते हैं कि संसद के दोनों सदन साल में 100 दिनों तक चलेंगे और संसद की प्राचीन परंपराओं को उसी तरह ईमानदारी से निभाया जाएगा। हम यह वादा करते हैं कि सप्ताह में एक दिन, विपक्षी बेंच द्वारा सुझाए गए एजेंडे पर बहस करने के लिए समर्पित होगा। हम वादा करते हैं कि दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल के हों, उन्हें राजनीतिक दलों से अपने संबंध तोड़ने होंगे, उन्हें तटस्थ रहना होगा और संसद की बरसों पुरानी परंपरा %स्पीकर को नहीं बोलना चाहिए% को स्वीकार करना होगा। इंडिया ब्लॉक इस बात को अपनाने और उसे पूरा करने के लिए मजबूती से लड़ता रहेगा। भारतीय जनता पार्टी को इस 100 दिनों की बैठक, सप्ताह में एक दिन विपक्ष के एजेंडे पर बहस और निष्पक्ष पीठासीन अधिकारी वाले मामले पर कोई वैध आपत्ति नहीं हो सकती है। नरेंद्र मोदी की तरह भाजपा भी अब 240 सीट के आंकड़ों से उबर चुकी होगी। हालांकि भाजपा का लक्ष्य 370 का था और एनडीए का 400 से ज्यादा का था। उन्होंने जश्न मनाने की कोशिश तो की, लेकिन सीटों की संख्या उन्हें यह इजाजत नीं दे रहा था। %कम संख्या% का टैग भाजपा नेतृत्व को सताता रहेगा और वह इससे पार करने की हर संभव कोशिश करेगी।

जिन्हें वह अपने पक्ष में कर सकती है, उनमें वाईएसआरसीपी-4, आप-3, आरएलडी- 2, जेडीएस-2, एजीपी - 1, आजसू -1 एचएएम-1 और एसकेएम- 1 शामिल हैं। यहां तक की जेडीयू अपनी 12 सीटों के साथ भी सुरक्षित नहीं है। इनमें से कुछ पार्टियां तो पहले से ही एनडीए का हिस्सा रही हैं, लेकिन भाजपा यहीं नहीं रूकेगी । याद रखें कि शिवसेना के साथ क्या हुआ था। संविधान की दसवीं अनुसूची में अनेक खामियां हैं, जिससे छोटी पार्टियों के सांसद हट सकते हैं या गायब हो सकते हैं। कांग्रेस के 2024 के घोषणा पत्र में एक ऐसा फॉर्मूला था, जो भाजपा की योजना को ध्वस्त कर सकता है। हम संविधान की दसवीं अनुसूची में संशोधन करने का वादा करते हैं और दलबदल (जिस मूल पार्टी से विधायक या सांसद चुने गए थे, उसे छोड़ कर किसी और पार्टी में जाना) को विधानसभा या संसद की सदस्यता के लिए स्वतः अयोग्य घोषित करने का प्रावधान करेंगे। अर्थव्यवस्था के प्रबंधन के मामले में भाजपा की स्थिति काफी कमजोर है।

हालांकि बुनियादी ढांचे के विकास के मुद्दे पर कोई झगड़ा नहीं हो सकता है। सभी आर्थिक नीतियों का उद्देश्य हजारों रोजगार पैदा करना और मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने जैसे दोहरे लक्ष्यों को प्राप्त करना होना चाहिए। भाजपा-एनडीए दो मौकों पर असफल हुई, जिसका खामियाजा उसे लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ा। क्या भाजपा का नेतृत्व अपनी रणनीति में बदलाव लाएगा, यह तो राष्ट्रपति के भाषण और बजट में ही पता चलेगा।

जबकि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने 2024 के घोषणा पत्र में किए गए नौकरियों वाले निम्नलिखित एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहिए। उनका घोषणा पत्र कहता है। हम एकाधिकार, अल्पाधिकार और सांठ-गांठ वाले पूंजीवाद के विरोधी हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी कंपनी या व्यक्ति अपने लिए वित्तीय या भौतिक संसाधनों या व्यावसायिक अवसरों के लिए रियायत न पाए, सभी उद्यमियों को समान अवसर मिलने चाहिए। हमारी नीतिगत प्राथमिकता उन व्यावसायिक उद्यमों के पक्ष में होगी, जो बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा करते हैं। केंद्र सरकार में विभिन्न स्तरों पर स्वीकृत पदों की लगभग 30 लाख रिक्तियों को भरेंगे। नियमित गुणवत्ता वाली नौकरियों में अतिरिक्त भर्ती, टैक्स क्रेडिट का लाभ लेने और कॉरपोरेट्स के लिए एक नई रोजगार-लिंक्ड प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना बनाई जाएगी।

हम शहरी बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और नवीनीकरण के लिए शहरी रोजगार गारंटी योजना शुरू करेंगे। जल निकाय पुनरुद्धार कार्यक्रम और बंजर भूमि पुनरुद्धार कार्यक्रम शुरू करके कम शिक्षा और कम कौशल वाले युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे ग्राम पंचायतों और नगर पालिकाओं के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा। विपक्षी दलों को अवसरों को ध्यान में रखते हुए एक नैरेटिव तय करना चाहिए। यह देखना मजेदार होगा कि कम संख्या वाली भाजपा का इस नए विपक्ष के साथ किस तरह का रिश्ता बनता है।

टाइम मशीन : तेल संकट से बादशाहत तक अमेरिका की भूमिका, पेट्रोडॉलर युग का अवसान!

अमेरिका ने ओपेक के कार्टेल को कीमतें बढ़ाने से रोक दिया है, क्योंकि उसका तेल अब यूरोप से लेकर एशिया तक जा रहा है, जहां कभी ओपेक मुल्क अपना तेल बेचते थे। जॉर्ज पी. मिशेल ने अपने जुनून से ऊर्जा के मामले में कमजोर एक मुल्क को केवल तीस साल में दुनिया की तेल ताकत बना दिया। अमेरिकी लोग जॉर्ज पी. मिशेल को पर्यावरण हितैषी के तौर पर याद करते हैं। पर्यावरण के बैरी तेल उद्यमियों को ऐसी प्रतिष्ठा नहीं मिलती। मिशेल की इस पहचान की वजह है यह वुडलैंड्स शहर, जिसमें रहना हर अमेरिकी का सपना है। यह शहर बसाकर मिशेल एक वाइल्डकैटर से ग्रीन सिटी बिल्डर हो गए। सऊदी अरब तेल बेचने के लिए अमेरिकी डॉलर के साथ येन, युआन और यूरो को भी स्वीकार करेगा। यकीनन यह पेट्रोडॉलर युग के अवसान का एलान है। 1970 के दशक में अरब-इस्राइल युद्ध के दौरान अरब देशों ने अमेरिका में तेल की आपूर्ति बंद कर दी थी। इसके बाद सऊदी अरब व अमेरिका के रिश्ते सुधरे और सामने आया पेट्रोडॉलर समझौता, जिसके तहत पूरी दुनिया सऊदी अरब के तेल के बदले उसे अमेरिकी डॉलर देती थी। इटली में जी-7 की जुटान के बीच हुए इस फैसले से अमेरिका को बड़ा फर्क नहीं पड़ा, क्योंकि वे दिन गए, जब सऊदी शेख तेल की कीमतें तय करते थे और अमेरिकी बाजारों में सिहरन दौड़ जाती थी। अमेरिकी विदेश विभाग के नुमाइंदे परिंदों की तरह अरब में मंडराते थे, ताकि शेखों का पारा ठंडा रहे। बीते पचास वर्षों में तेल का भूगोल ही बदल गया और बदल गई तेल कूटनीति की धुरी भी। सऊदी को तेल बेचने के लिए चीन का बाजार चाहिए, क्योंकि अमेरिका तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं, निर्यातक भी हो गया है। वह कौन था, जिसने 1970 के दशक में अरब के तेल के मोहताज अमेरिका को दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा निर्यातक बना दिया? किसी एक पीढ़ी में इससे बड़ी ऊर्जा क्रांति हाल की सदियों में नहीं देखी गई। यह किसी राजनेता, डिप्लोमेट या अर्थशास्त्री का करिश्मा नहीं था। एक जुनूनी वाइल्डकैटर यानी गैर पारंपरिक तरीकों से तेल खोजने वाले उद्यमी ने अमेरिकी तेल उद्योग की सूरत बदल दी। आइए, संभालिए अपनी सीट टाइम मशीन में... हम ह्यूस्टन टेक्सास के उत्तर में पाइन के जंगलों के ऊपर से उड़ते हुए वुडलैंड्स पहुंच रहे हैं। यह शहर नगर योजना, प्राकृतिक साहचर्य और आर्थिक सफलता की अनोखी दास्तान है। अमेरिकी यहां बसने को बेताब रहते हैं। अमेरिका को तेल की मोहताजी से बादशाहत तक लाने वाले जुनूनी वाइल्डकैटर ने ही यह अनोखा शहर बसाया था। अब हम 1980 के दशक के अमेरिका में हैं। नीचे दिख रहा इलाका टेक्सास का है, जो अमेरिकी तेल उद्योग के रॉकफेलर वाले युग का गढ़ है। अगर यहां के माहौल में चिंता या उदासी महसूस कर रहे हैं, तो आपको अमेरिकी तेल संकट की खबर लग गई होगी। रॉकफेलर दौर के तेल कुएं अब सूख रहे हैं। अमेरिका की ऊर्जा सुरक्षा पश्चिमी एशियाई देशों के पास गिरवी है। तेल आयात बंद, तो अमेरिका बंद। 1970 में ओपेक देशों के ऑयल इंबार्गो ने अमेरिका को महंगाई और मंदी में धकेल दिया है। अमेरिका को अब नई ऊर्जा क्रांति चाहिए, नहीं तो देश की तरक्की का पहिया धंस जाएगा। अमेरिकी वैज्ञानिक सरकार को बता चुके हैं कि सेडीमेंट्री यानी परतदार चट्टानों में तेल का खजाना छिपा है। शैल एक परतदार चट्टान है, जो भूमि में एक मील की गहराई में मिलती है। इसकी परतों के अंदर तेल और गैस होता है, पर इसे निकालना पेचीदा है। आमतौर पर तेल के कुएं सीधे यानी वर्टिकल होते हैं, जबकि शैल की परतें क्षैतिज या हॉरिजॉन्टल होती हैं। टेक्सास का बर्नेट बेसिन 1980 में खोज लिया गया था। वैज्ञानिकों ने प्रमाणित किया कि इसमें काफी तेल और गैस है। स्टैंडर्ड ऑयल शैल परतों से तेल-गैस निकालने की कोशिश कर चुकी थी, पर कामयाबी नहीं मिली। अब हम 1990 के दशक में हैं। हमारी टाइम मशीन टेक्सास के शैल इलाके में उड़ान भर रही है। नीचे देखिए, वह रही मिशेल एनर्जी ऐंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ऑयल फील्ड। यह कंपनी है जॉर्ज पी. मिशेल की। 21वीं सदी से आ रहे हम लोगों को पता है कि अमेरिका ने शैल?ऑयल की मदद से ओपेक देशों के दबदबे को हमेशा के लिए खत्म कर दिया। 1991 में यह क्रांति आपके सामने शुरू हो रही है। टाइम मशीन की मदद से आप अमेरिका के आधुनिक तेल उद्योग की बुनियाद पड़ती देख रहे हैं। मिशेल का टेक्सास हमेशा से अमेरिकी तेल उद्योग का गढ़ रहा है। मिशेल खालिस वाइल्डकैटर हैं, यानी ऐसे उद्यमी, जो अपनी पूंजी से जगह-जगह तेल तलाशते हैं। मिशेल इंजीनियर भी हैं, इसलिए वाइल्डकैटर होने का उनका जुनून 1980 के दशक में नई ऊंचाई पर पहुंच गया। मिशेल ने शैल गैस की पहेली सुलझाने की ठान ली। मिशेल एनर्जी ऐंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने दीवानों की तरह ऐसी तकनीक की खोज शुरू कर दी, जिससे शैल की क्षैतिज परतों तक पहुंच कर उनमें दरार डाली जा?सके और तेल व गैस कुएं तक आ जाएं। मिशेल पैराडॉक्स!! ठीक सुना आपने, 1980 के मध्य तक तेल उद्योग में मिशेल को लेकर ऐसा ही मजाक चलता था। तेल की खुदाई तो सीधे वर्टिकल होती थी, मिशेल क्षैतिज ड्रिलिंग की कोशिश में थे। यह तो पैराडॉक्स ही हुआ न! वर्ष 1991 में जिस वक्त हम मिशेल इंजीनियरिंग की ऑयल फील्ड पर पहुंचे, यहां सफलता का उत्सव चल रहा है। मिशेल ने हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग और हाइड्रोलिक फ्रैकिंग को साध लिया है। मिशेल ने पहले चट्टान में सीधी यानी वर्टिकल ड्रिलिंग की, फिर क्षैतिज खुदाई से शैल की परतों तक जगह बनाई, इसके बाद इसमें भरा गया हाई प्रेशर फ्लुइड, जिसमें होते हैं पानी, रसायन और रेत के दाने, जिन्हें प्रोपेंट्स कहा जाता है, यह फ्लुइड शेल परतों में दरार डालता है। यही फ्रैकिंग है, रेत के दाने इन दरारों में फंस जाते हैं और फिर तेल और गैस कुएं में आने लगती है। 2000 तक यह तकनीक और विकसित व प्रभावी हो गई। 21वीं सदी के पहले दशक में ये शैल चट्टानें इतना तेल और गैस उगलने लगीं कि अमेरिका इसे संभाल नहीं पाया। एक वाइल्डकैटर ने अमेरिका की किस्मत बदल दी।

अमेरिका में 2023 तक कुल उत्पादन की करीब 72 फीसदी ड्राई गैस मिशेल के करिश्मे से आती थी। अमेरिका का 66 फीसदी यानी करीब 2.83 अरब बैरल तेल इन परतों से निकलता है। तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता तो कब की हासिल कर ली गई। अमेरिका अब दुनिया में तेल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और सऊदी, रूस, ईराक के बाद चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। नई तकनीक से शैल ऑयल की लागत 35 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई है, जो रूसी तेल की कीमत के बराबर है। हालांकि सऊदी का तेल अब भी इससे सस्ता है। यह फ्रैकिंग की ताकत है कि अमेरिका ने ओपेक के कार्टेल को कीमतें बढ़ाने से रोक दिया है, क्योंकि उसका तेल अब यूरोप से लेकर एशिया तक जा रहा है, जहां कभी ओपेक मुल्क अपना तेल बेचते थे।

जानना जरूरी है : क्या थीं जरत्कारु के विवाह की तीन शर्तें ?

ऋषियों ने उत्तर दिया, 'हम कठोर व्रत का पालन करने वाले यायावर मुनि हैं। हमारी मात्र एक संतान शेष है। अन्य सभी काल के अधीन हो चुके हैं। हमारी संतान का नाम जरत्कारु है। वह तपस्या में लीन रहता है और विवाह नहीं करता। अतः वंश-परंपरा का नाश होने के कारण हम गड्डे में लटक रहे हैं। हमारी रक्षा करने वाला वंशधर मौजूद है, फिर भी हम अनाथ हो गए हैं।'जरत्कारु ने कहा, 'आप लोग मेरे पितृगण हैं। मैं ही जरत्कारु हूं। कहिए, मैं आपकी क्या सेवा करूं?' यह सुनकर पितर बोले, 'तात! तुम हमारे कुल की रक्षा के लिए शीघ्र विवाह करके धर्म का पालन करो और पुत्र की उत्पत्ति के लिए यत्न करो। पुत्र वाले मनुष्य, इस लोक में जिस उत्तम गति को प्राप्त होते हैं, उसे अन्य लोग धर्मानुकूल फल देने वाले तप से भी नहीं प्राप्त कर सकते।

जरत्कारु ने कहा, हे पितृगण! मैंने निश्चय किया था कि मैं सुख-भोग के लिए न तो विवाह करूंगा और न ही धन का संग्रह करूंगा। परंतु यदि इसी से आपका हित होता है, तो मैं विवाह करने को तैयार हूं। प्राचीन समय में जरत्कारु नाम के एक ब्रह्मचारी ऋषि हुए। वह धर्म के ज्ञाता और तपोबल से संपन्न थे। वह कभी केवल वायु पर आश्रित रहते, तो कभी भोजन का त्याग कर देते थे। उन्होंने निद्रा पर विजय प्राप्त कर ली थी। एक बार जरत्कारु ने देखा कि कुछ ऋषिगण सिर नीचे की ओर किए एक गड्ढे में लटक रहे थे। ऋषियों ने उत्तर दिया, 'हम कठोर व्रत का पालन करने वाले यायावर मुनि हैं। हमारी मात्र एक संतान शेष है। अन्य सभी काल के अधीन हो चुके हैं। हमारी संतान का नाम जरत्कारु है। वह तपस्या में लीन रहता है और विवाह नहीं करता। अतः वंश-परंपरा का नाश होने के कारण हम गड्ढे में लटक रहे हैं। हमारी रक्षा करने वाला वंशधर मौजूद है, फिर भी हम अनाथ हो गए हैं।'जरत्कारु ने कहा, 'आप लोग मेरे पितृगण हैं। मैं ही जरत्कारु हूं। कहिए, मैं आपकी क्या सेवा करूं?' यह सुनकर पितर बोले, 'तात! तुम हमारे कुल की रक्षा के लिए शीघ्र विवाह करके धर्म का पालन करो और पुत्र की उत्पत्ति के लिए यत्न करो। पुत्र वाले मनुष्य, इस लोक में जिस उत्तम गति को प्राप्त होते हैं, उसे अन्य लोग धर्मानुकूल फल देने वाले तप से भी नहीं प्राप्त कर सकते। अतः पुत्र! तुम हमारी आज्ञा से विवाह कर संतानोत्पत्ति की ओर ध्यान दो। यही हमारे सर्वोत्तम हित की बात होगी।% जरत्कारु ने पितरों से कहा, 'हे पितृगण! मैंने यही निश्चय किया था कि मैं जीवन के सुख-भोग के लिए न तो कभी विवाह करूंगा और न ही धन का संग्रह करूंगा। परंतु यदि इसी से आपका हित होता है, तो मैं विवाह करने को तैयार हूं। विवाह के लिए मेरी तीन शर्तें हैं। यदि उन शर्तों के अनुसार मुझे कन्या मिलती है, तो उससे विवाह कर लूंगा, अन्यथा नहीं... 'पहली शर्त है कि मैं अपने नाम वाली कन्या से ही विवाह करूंगा। दूसरी शर्त है कि उसके भाई-बंधु उसे स्वयं मुझे देने की इच्छा रखते हों और तीसरी शर्त यह है कि चूंकि मैं दरिद्र हूं और मांगने से मुझे कोई कन्या नहीं देगा, अत~ यदि कोई भिक्षा के तौर पर अपनी कन्या देने को तैयार हो, तभी मैं उसे ग्रहण करूंगा। ये शर्तें पूर्ण हो जाएं, तो मैं विवाह कर लूंगा।' यह कहकर जरत्कारु ने पितरों को प्रणाम किया और पृथ्वी पर सभी दिशाओं में विचरण करने लगे। बहुत प्रयास करके भी उन्हें ऐसी कोई कन्या नहीं मिली, जो उनकी सब शर्तें पूरी करती हो। फिर एक दिन जरत्कारु ने पितरों का स्मरण करके वन के भीतर कन्या की भिक्षा के लिए पुकार लगाई और कहा, %कोई भिक्षा रूप में कन्या दे जाए!' उसी समय नागराज वासुकि अपनी बहन को लेकर उपस्थित हुए और बोले, %ऋषिवर! यह मेरी बहन है। कृपया इसे आप भिक्षा में ग्रहण कर लीजिए।% जरत्कारु की दो शर्तें पूर्ण हो रही थीं। वासुकि, कन्या का भाई था और उसे स्वयं भिक्षा में दे रहा था। अब एक शर्त शेष थी। वासुकि ने कहा, 'हे जरत्कारु! मेरी यह छोटी बहन आपके नाम वाली है। इसका भी नाम जरत्कारु है। मैंने इसे स्वयं आपकी सेवा में समर्पित किया है। आपने विवाह के लिए तीन शर्तें रखी थीं, वे सभी पूर्ण हो गई हैं। अत~ आप इसे पत्नी-रूप में स्वीकार कीजिए।% यह सुनकर ऋषि जरत्कारु ने वासुकि की बहन से विधिवत विवाह किया। उनसे एक तेजस्वी पुत्र का जन्म हुआ। उसका नाम आस्तीक था। उसके जन्म के साथ जरत्कारु के पितरों को मुक्ति मिल गई। इसी आस्तीक ने कालांतर में जनमेजय का नाग-यज्ञ रुकवाया था।

मौसमः गर्मी में गर्म चाय और वह आध्यात्मिक अनुभव आसमान की व्यापकता निहारना भी देता है शीतलता

मैंने धूप में योग किया, शौकिया बॉक्सिंग क्लास भी ज्वॉइन की। मुझे एहसास था कि यह सब घर जैसा माहौल पाने का प्रयास है। मैं मध्य फ्लोरिडा में जन्मी और पली-बढ़ी। वहां की गर्मी मुझे अपनेपन का एहसास देती थी। फ्लोरिडा में अप्रैल से नवंबर तक का मौसम इतना गर्म होता है कि हमेशा एक सुस्ती बनी रहती है। बादलों वाली दोपहर में जो उमस होती थी, उसका तो कहना ही क्या! जब उमस भयानक स्तर पर होती है, तो सारा शिष्टाचार धरा रह जाता है। हालांकि मुझे हमेशा से यह पसंद नहीं था। मेरी मां बताती हैं कि बचपन में तो मैं गर्मी सहन ही नहीं कर पाती थी। मैं अक्सर गर्दन पर ठंडा तौलिया लगाए रखती थी कि कहीं मैं बेहोश न हो जाऊं। लेकिन अब जब मैं अपने घर से दूर हूं, तो मुझे वही माहौल याद आता है।

तपती गर्मी वाली दोपहर में, जब सारा शिष्टाचार धरा रह जाता है, खुले नीले आसमान की व्यापकता को निहारना भी शीतलता देता है। मुझे पसीना बहाना हमेशा से पसंद था। पिछले वर्ष जब मैं फ्लोरिडा से न्यूयॉर्क आई, तो सर्दी और वसंत के पूरे मौसम के दौरान मैंने हर वह काम किया, जिससे मुझे पसीना आए। मैंने धूप में योग किया, शौकिया बॉक्सिंग क्लास भी ज्वॉइन की। मुझे एहसास था कि यह सब घर जैसा माहौल पाने का प्रयास है। मैं मध्य फ्लोरिडा में जन्मी और पली-बढ़ी। वहां की गर्मी मुझे अपनेपन का एहसास देती थी। फ्लोरिडा में अप्रैल से नवंबर तक का मौसम इतना गर्म होता है कि हमेशा एक सुस्ती बनी रहती है। बादलों वाली दोपहर में जो उमस होती थी, उसका तो कहना ही क्या! जब उमस भयानक स्तर पर होती है, तो सारा शिष्टाचार धरा रह जाता है। हालांकि मुझे हमेशा से यह पसंद नहीं था। मेरी मां बताती हैं कि बचपन में तो मैं गर्मी सहन ही नहीं कर पाती थी। मैं अक्सर गर्दन पर ठंडा तौलिया लगाए रखती थी कि कहीं मैं बेहोश न हो जाऊं। लेकिन अब जब मैं अपने घर से दूर हूं, तो मुझे वही माहौल याद आता है। नौकरी के सिलसिले में, मैं जहां भी रही, वे सभी जगहें फ्लोरिडा की तुलना में कम गर्म थीं, बल्कि ठंडी ही थीं। पेंसिल्वेनिया के एक कॉलेज में नौकरी के दौरान मैंने अपने घर के दरवाजे पर जमी बर्फ को हटाना सीखा। मैं अपने पति के साथ केवल छुट्टियों के दौरान फ्लोरिडा लौटती थी, लेकिन गर्मी के डर से वहां ज्यादा रुकने की हिम्मत नहीं होती थी। एक बार जब मैं अपने बीमार पिता को देखने फ्लोरिडा आई थी, तब मेरी बहन जून की तपती दोपहर में जंगल की सैर कराने ले गई। तब पहली बार मुझे गर्मी अच्छी लगी। फिर जब मैं बोस्टन लौटी, तो काफी दिन तक रोती रही। और, तब मुझे अपने घर की ओर से आने वाली पुकार महसूस हुई। जब मैं अपने पति के साथ फ्लोरिडा पहुंची, तब कोविड महामारी फैलनी शुरू हो गई थी। तब तीन साल तक हम फ्लोरिडा में ही रहे। तब मैं रोज सुबह दौड़ने जाती थी और जब लौटती तो पूरी तरह से पसीने से तरबतर। मुझे यह गर्मी अपनी-सी लगने लगी थी। मैंने कहीं पढ़ा था कि जो लंबे समय तक साथ दे, वही सच्चा साथी होता है। फ्लोरिडा में गर्मी का मौसम ही ज्यादातर समय रहता है और इस नाते गर्मी ही हमारी सच्ची साथी होनी चाहिए। गर्मियों में अक्सर आसमान खुला रहता है। एक प्याली ग्रीन टी और विशाल खुले नीले आसमान को एकटक देखना भी एक आध्यात्मिक अनुभव है। यह गर्मी और पसीना मुझे यह याद दिलाते हैं कि मैं और फ्लोरिडा हमेशा के लिए एक-दूसरे से जुड़े हैं। मैं जहां कहीं भी जाती हूं, इन अनुभवों को साथ ले जाती हूं।

हरियाणा के 20 खिलाड़ियों को ओलंपिक कोटा, निशा दहिया और मनु भाकर समेत 13 महिला खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस है। खेलों का सबसे बड़ा महाकुंभ ओलिंपिक खेल ठीक 32 दिन बाद 26 जुलाई को पेरिस में शुरू होगा। हरियाणा के अब तक 20 खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में ओलिंपिक कोटा हासिल किया है, जो एक रिकॉर्ड है। इनमें से 13 यानी 65त्न महिलाएं हैं। पिछली बार हरियाणा के पास 17 व्यक्तिगत कोटा थे। एथलेटिक्स के क्वालिफाइड मैच अभी होने बाकी हैं। ओलंपिक में भारत की 10 खेलों में भागीदारी पक्की हो चुकी है। हरियाणा 7 में अपना दमखम दिखाएगा। पहली बार तीरंदाजी में भी भारत का प्रतिनिधित्व होगा।

तीरंदाजी, नौकायन, लॉन टेनिस में भी दिखेगा दम

तीरंदाजी- सिरसा की भजन कौर ने एशियन गेम्स में कांस्य, ओलिंपिक क्वालिफायर चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता। नौकायन- करनाल के बलराज पंवार एम1एक्स में 2000 मी. रेस में 7-01.27 मिनट का समय ले तीसरे नंबर पर रहे। लॉन टेनिस- झज्जर के सुमित नागल ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई। हीलब्रॉन नेकरकप चैलेंजर स्पर्धा व चेन्नई ओपन का खिताब जीता।

बॉक्सिंग- पदकों के लिए 4 खिलाड़ी मारेंगे पंच

अमित पंघाल (51 किग्रा.)- रोहतक के मायना के हैं। एशियाड, कौमनवैल्थ, एशियन चैंपियनशिप में 1-1 स्वर्ण।

निशांत देव (71 किग्रा.)- करनाल के हैं। वर्ल्ड चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।

प्रीति पंवार (54 किग्रा.)-भिवानी की हैं। एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड। जैस्मिन लेम्बोरिया (57 किग्रा.)- भिवानी की हैं। एशियन चैंपियनशिप व कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीते।

निशा दहिया ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 6 गोल्ड जीते है।

कुश्ती- पहली बार महिला पहलवान ज्यादा विनेश फौगाट (50 किग्रा.)- चरखी दादरी के बलाली की हैं। कॉमनवेल्थ में 3, एशियन गेम्स में 1 स्वर्ण जीत चुकीं। अंतिम पंघाल (53 किग्रा.)- हिसार की हैं। अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण। अंशु मलिक (57 किग्रा.)- जींद के निडानी की हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत जीते। निशा दहिया (68 किग्रा.)- पानीपत के अदियाना की हैं। राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 6 गोल्ड। एशियन चैंपियनशिप में रजत। रीतिका हुड्डा (76 किग्रा.)- रोहतक के खरकड़ा की हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण। अमन सहरावत (57 किग्रा.)- झज्जर के बिरोहड़ के हैं। एशियन चैंपियनशिप व जाग्रेब ओपन में गोल्ड।

इस बार हमारी महिला शक्ति का जोर

2 महिला बॉक्सर जाएंगी। टोक्यो में 1 ही थी। कुश्ती में पहली बार 5 महिला पहलवान जाएंगी। शूटिंग में 4 महिला जाएंगी। पिछली बार 2 थीं। तीरंदाजी में पहला कोटा महिला ने ही दिलाया।

कृपाशंकर बिश्नोई, अर्जुन , कुश्ती कोच, रेलवे।

कृपाशंकर बिश्नोई ने बताया कि पहली बार कुश्ती में 6 में से 5 और शूटिंग में 4 महिलाएं, तीरंदाजी में भी 1 खिलाड़ी एथलेटिक्स- नीरज चोपड़ा- पेरिस ओलिंपिक के लिए डायरेक्ट क्वालीफाइंग मार्क 85.50 मीटर था। इसे पूरा किया। पेरिस ओलिंपिक में जगह बनाने वाले पहले एथलीट हैं। एथलेटिक्स में ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। टोक्यो ओलिंपिक के बाद 5 स्पर्धाओं में स्वर्ण और 2 में रजत पदक जीत चुके हैं।ओलिंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक, दो बार की ओलिंपियन विनेश फौगाट जैसी खिलाड़ियों को कोचिंग दे चुका हूं। इस बार ओलिंपिक कोटा जीतने वाले हरियाणवियों में 65त्न महिलाएं हैं। लड़कियां लक्ष्य को लेकर गंभीर और करियर ओरिएंटेड होती हैं। एक बार लग्न से काम शुरू कर दें तो उस पर खरा उतरती हैं।

इसी की बदौलत कुश्ती में पहली बार 6 में से 5 और शू?टिंग में 6 में से 4 महिला हैं। तीरंदाजी में पहला कोटा दिलाने वाली भी महिला है। कुश्ती में इतना लंबा विवाद चला, पर महिला पहलवानों ने खुद पर इसका असर नहीं पड़ने दिया। तकनीक, जोश और सही समय पर तत्काल निर्णय से हरियाणा के खिलाड़ी देश को गोल्डन तोहफा दे सकते हैं।

बजरंग पूनिया दो महीने में दूसरी बार सस्पेंड, एंटी-डोपिंग एजेंसी ने सैंपल नहीं देने की वजह से नोटिस दिया

नई दिल्ली। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी ने पहलवान बजरंग पूनिया को सस्पेंड कर दिया है और साथ ही नोटिस भी भेजा है। बजरंग पूनिया ने मार्च में सोनीपत में हुए नेशनल ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना सैंपल नहीं दिया था, जिसके बाद नाडाने यह एक्शन लिया है। नोटिस के खिलाफ जवाब देने के लिए बजरंग पूनिया के पास 11 जुलाई तक का समय है।

इससे पहले, 5 मई को भी नाडा ने उन्हें सस्पेंड कर दिया था। जब पिछली बार नाडा ने बजरंग को निलंबित किया था, तो उनका निलंबन तीन हफ्ते बाद एंटी डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल ने रद्द कर दिया था, क्योंकि उन्हें नोटिस जारी नहीं किया गया था। अब नाडा ने निलंबन के साथ-साथ बजरंग पूनिया को नोटिस भी जारी किया है।

10 मार्च को ओलिपिंक गेम्स में हिस्सा लेने के लिए हुए एशियन क्वालिफायर्स के नेशनल ट्रायल्स के दौरान नाडा ने बजरंग से सैंपल देने के लिए कहा था। लेकिन, बजरंग ने सैंपल देने से इनकार कर दिया।

पहलवानों ने डबलूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर महिला रेसलर्स के यौन शोषण के आरोप लगाए थे। इसको लेकर बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक की अगुआई में आंदोलन हुआ। पहलवानों ने पहले जंतर-मंतर पर धरना दिया। इसके बाद उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिए और दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण पर केस दर्ज किया।

इस मामले की कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसी दौरान ड्ढस्नढ्ढ के चुनाव हुए तो बृजभूषण के करीबी संजय सिंह चुनाव जीत गए। जिसके बाद बजरंग के अलावा विनेश फोगाट ने भी अपने अवॉर्ड लौटा दिए। वहीं साक्षी मलिक ने कुश्ती से ही संन्यास ले लिया।

बांग्लादेश से मैच के दौरान भारत ने तोड़ा अपना 17 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर आठ चरण के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 196 रन बनाए। भारत के लिए उपकप्तान हार्दिक पांड्या ने शानदार बल्लेबाजी की और 27 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा। हार्दिक 50 रन बनाकर नाबाद लौटे और उनकी पारी के दम पर ही भारत मजबूत स्कोर खड़ा सका। भारत ने इस दौरान पारी में कुल 13 छक्के लगाए और टी20 विश्व कप के एक मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने का अपना रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

भारत ने बनाया टी20 विश्व कप का अपना तीसरा सर्वोच्च टोटल

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया और टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 196 रन बनाने में सफल रही। भारत का इस विश्व कप में यह सर्वोच्च टोटल है। भारत ने इस तरह इस टूर्नामेंट के इतिहास का अपना तीसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया। टीम का नॉर्थ साउंड स्टेडियम पर टी20 में यह सर्वाधिक स्कोर भी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा इस साझेदारी को और बड़ी नहीं कर सके और शाकिब अल हसन की गेंद पर आउट हुए। रोहित का विकेट लेने के साथ ही शाकिब टी20 विश्व कप में 50 विकेट पूरे करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। लगातार खराब फॉर्म में चल रहे विराट कोहली का बल्ला भी इस मैच में बोला और उन्होंने 24 गेंदों पर 36 रनों की पारी खेली। कोहली हार्दिक के बाद भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे, लेकिन अर्धशतक से चूक गए। वहीं, शिवम दुबे ने हार्दिक पांड्या का अच्छा साथ निभाया और 24 गेंदों पर 34 रनों की पारी खेली। एक समय ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम 200 रन का स्कोर पार कर लेगी, लेकिन बांग्लादेश के गेंदबाज कुछ हद तक वापसी करने में सफल रहे।

भारत ने इंग्लैंड को पछाड़ा

भारतीय टीम ने इस मैच में एक और विशेष उपलब्धि हासिल कर ली है। भारत टी20 विश्व कप में सर्वाधिक बार 180 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली टीम बन गया है। भारत ने इस टूर्नामेंट में अब तक 11 बार 180 से अधिक का स्कोर बनाया। उसने इस मामले में गत चैंपियन इंग्लैंड को पछाड़ा जिन्होंने 10 बार टी20 विश्व कप में 180 से अधिक का स्कोर खड़ा किया है। दक्षिण अफ्रीका नौ बार और पाकिस्तान आठ बार ऐसा कर चुके हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ जड़े थे 11 छक्के

भारत ने 17 साल पहले 2007 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ डरबन में खेले गए मैच में कुल 11 छक्के जड़े थे। यह वही मैच था जिसमे युवराज सिंह ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की छह गेंदों पर लगातार छह छक्के लगाए थे। भारतीय टीम ने अब लंबे समय बाद अपने इस रिकॉर्ड में सुधार किया और बांग्लादेश के खिलाफ कुल 13 छक्के जड़े जो उसका इस वैश्विक टूर्नामेंट में किसी टीम के खिलाफ लगाए सबसे ज्यादा छक्के हैं। भारत के लिए इस मैच में विराट कोहली, शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने तीन-तीन छक्के जड़े, जबकि ऋषभ पंत ने दो और रोहित शर्मा तथा सूर्यकुमार यादव ने एक-एक छक्का लगाया।

टीम को खराब फील्डिंग के चलते नुकसान हुआ - मार्श

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से मात देकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कंगारूओं के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की। अफगानिस्तान से मिली इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है। अब अपने आखिरी सुपर-8 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ हर हाल में जीतना ही होगा।

अफगानिस्तान से मिली हार के बाद कप्तान मिचेल मार्श के चेहरे पर निराशा साफ दिखाई दी। मैच दिए गए इंटरव्यू में उनके बयान से भी यह स्पष्ट हुआ कि इस हार से उन्हें और टीम को कितना बड़ा आघात लगा है। हालांकि, मार्श ने उम्मीद जताई की वह अगले मैच में जीत दर्ज कर वापसी करेंगे। मैच के बाद मिचेल मार्श ने कहा कि टीम को खराब फील्डिंग के चलते नुकसान हुआ है।

खराब फील्डिंग को ठहराया जिम्मेदार

मार्श ने कहा, यहां कई टीमों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले गेंदबाजी की है। ऐसा मत सोचिए की टॉस की वजह से हार और जीत हुई। हमने मैदान पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। विकेट आसान नहीं था। हमने फील्डिंग अच्छी नहीं की। हमें वो 20 रन भारी पड़ गए। यहां हम जीतने के लिए आए हैं, और ऐसा करने के लिए हमारे पास एक बेहतरीन टीम है।

व्यापार

FY24 में गौतम अडाणी को 9.26 करोड़ वेतन मिला:अडाणी पोर्ट्स एंड SEZ ने 6.8 करोड़ दिया

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी को वित्त वर्ष 2023-24 में टोटल 9.26 करोड़ रुपए वेतन के रूप में मिला है। गौतम अडाणी का वेतन सुनील भारती मित्तल (2022-23 में 16.7 करोड़), राजीव बजाज (53.7 करोड़), पवन मुंजाल (80 करोड़), एलएंडटी के चेयरमैन एस एन सुब्रमण्यन और इन्फोसिस के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सलिल एस पारेख की तुलना में काफी कम है।

ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 में अडाणी को 2.19 करोड़ रुपए वेतन और अन्य भत्तों के रूप में 27 लाख रुपए दिए। AEL की एनुअल रिपोर्ट के अनुसार, 2.46 करोड़ रुपए का उनका टोटल वेतन पिछले वित्त वर्ष यानी 2022-23 की तुलना में 3 प्रतिशत ज्यादा है। इसके अलावा गौतम अडाणी को अडाणी पोर्ट्स एंड स्र्थ्र लिमिटेड से 6.8 करोड़ रुपए का वेतन मिला।

दुनिया के 14वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं अडाणी

ब्लूमबर्ग की रियलटाइम बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, गौतम अडाणी दुनिया के चौदहवे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। 23 जून को इनकी पर्सनल नेटवर्थ ?8,85,767 करोड़ है। गौतम से ऊपर इस लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मालिक मुकेश अंबानी 12वें नंबर पर हैं। अंबानी का नेटवर्थ 9,27,549 करोड़ है।

अडाणी पोर्ट्स ने 2 मई को फाइनेंशियल ईयर 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट, यानी शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 76.87 प्रतिशत बढ़कर 2,014.77 करोड़ रहा था।

पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 1,139.07 करोड़ रहा था। वहीं पिछली तिमाही में यह 2,208.21 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 8.76 प्रतिशत घटा है।

टॉप 10 में से तीन कंपनियों का मार्केट कैप 1.06 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते सेंसेक्स की टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से तीन के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 1,06,125.98 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक सबसे अधिक फायदे में रहे। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल जैसी कंपनियों के मार्केट में गिरावट आई। इन सभी कंपनियों की बाजार हैसियत सामूहिक रूप से 1,01,769.1 करोड़ रुपये घट गई।

एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 52,091.56 करोड़ रुपये बढ़कर 12,67,056.69 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने सप्ताह के दौरान 36,118.99 करोड़ रुपये जोड़े। इसका मूल्यांकन 8,13,914.89 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं, इन्फोसिस की बाजार हैसियत 17,915.43 करोड़ रुपये बढ़कर 6,35,945.80 करोड़ रुपये हो गई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 32,271.31 करोड़ रुपये घटकर 19,66,686.57 करोड़ रुपये पर आ गई। सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी के मार्केट कैप में 27,260.74 करोड़ रुपये की गिरावट हुई। यह 6,47,616.51 करोड़ रुपये पर आ गया। एफएमसीजी से लेकर होटल तक का कारोबार करने वाली आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 14,357.43 करोड़ रुपये घटकर 5,23,858.91 करोड़ रुपये पर गया।

एक अन्य स्नस्रूत्न कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर को भी नुकसान हुआ। इसकी बाजार हैसियत 8,904.95 करोड़ रुपये के नुकसान से 5,73,617.46 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस का मार्केट कैप 8,321.6 करोड़ रुपये घटकर 13,78,111.45 करोड़ रुपये रह गया। टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल के वैल्यूएशन में 7,261.72 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 8,04,262.65 करोड़ रुपये रह गया। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 3,391.35 करोड़ रुपये घटकर 7,46,454.54 करोड़ रुपये पर आ गया।

मछली पालन में आंध्र प्रदेश, तो चीनी उत्पादन में यूपी अव्वल, फलों में आम से आगे निकला केला

नई दिल्ली। बीते दो दशक के दौरान देश में मछली की खपत काफी ज्यादा बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट बताती है कि 2005 में एक व्यक्ति सालभर में औसतन 4.9 किलो मछली खाता था। लेकिन, 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 8.89 किलो तक पहुंच गया। इसका असर जाहिर तौर पर मछली की मांग पर पड़ा और मछली पालने के व्यवसाय ने जोर पकड़ा।

अगर राज्यों की बात करें, तो मत्स्य पालन और जलकृषि में आंध्र प्रदेश अव्वल है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी व्यवसाय में कुल हिस्सेदारी 40.9 फीसदी है। इसके बाद पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार का नंबर आता है।

मत्स्य पालन में पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी 2011-12 में 24.6 फीसदी थी, जो 2022-23 में घटकर 14.4 फीसदी हो गई। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से उत्पादन के मूल्य पर सांख्यिकी कार्यालय की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा और बिहार ने अपना हिस्सा बढ़ाया है।

पशुधन उत्पाद में भी इजाफा

मत्स्य पालन और जलकृषि का उत्पादन 2011-12 में लगभग 80,000 करोड़ रुपये था। यह एक दशक यानी 2022-23 में बढ़कर लगभग 1,95,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। समुद्री मछली पकड़ने के उत्पादन में झींगा का दोनों तरह से उत्पादन शामिल है, चाहे उन्हें समुद्र से पकड़ा गया हो, या फिर जमीन पर पाला गया हो।

2011-12 से 2022-23 के बीच पशुधन सब-सेगमेंट का उत्पादन भी लगातार बढ़ा है। इस दौरान पशुधन से होने वाले दूध, मांस और अंडे का उत्पादन बढ़ा है। पशुधन सब-सेक्टर के उत्पादन का लगभग एक चौथाई हिस्सा उत्तर प्रदेश और राजस्थान से आया। वहीं, तमिलनाडु का उत्पादन तेजी से बढ़ा।

यूपी चीनी में सबसे मीठा

उत्तर प्रदेश की 2011-12 में चीनी उत्पादन में हिस्सेदारी करीब 41 फीसदी थी। यह एक दशक में बढ़कर देश के कुल उत्पादन की आधे से अधिक हो गई। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र रहा, 19 फीसदी उत्पादन के साथ। इसके बाद कर्नाटक, तमिलनाडु बिहार रहा। शेष राज्यों की हिस्सेदारी 11.4 प्रतिशत थी। फलों की बात करें, तो 2022-23 में केले ने उत्पादन के मूल्य के मामले में फलों के राजा आम को पीछे छोड़ दिया।

केले की हिस्सेदारी 10.9 फीसदी थी। आम की इससे थोड़ी कम यानी 10 फीसदी। सब्जियों में आलू और प्याज ने मिलकर सबसे अधिक उत्पादन में योगदान दिया। इनकी समूह के कुल उत्पादन में 15 फीसदी हिस्सेदारी थी। फूलों की खेती का योगदान लगभग 7 प्रतिशत था।

अर्थव्यवस्था में अहमियत

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि, वानिकी और मछली पकड़ने के व्यवसाय की काफी अहमियत है। डेटा से पता चलता है कि 2022-23 में मौजूदा कीमतों पर इनकी ग्रॉस वैल्यू एडेड में

हिस्सेदारी 18.2 फीसदी है। जीवीए आर्थिक प्रदर्शन का एक प्रमुख संकेतक है।अगर कृषि योग्य भूमि (155.37 मिलियन हेक्टेयर) की बात करें, तो भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। अनाज उत्पादन में तीसरे; और मूंगफली, फल, सब्जियां, गन्ना, चाय और जूट में दूसरे स्थान पर है। 2020 की नवीनतम उपलब्ध जानकारी के अनुसार, देश में भैंस और बकरी के सबसे बड़े झुंड थे। इस मामले में यह दुनिया में दूसरे नंबर पर है।मुर्गियों की आबादी के मामले में भारत दुनिया में सातवें स्थान पर है। हम दूध का सबसे अधिक उत्पादन करते हैं। वहीं अंडे के उत्पादन में दूसरे और मीट में पांचवें नंबर पर हैं।

इस सप्ताह आएंगे 9 आईपीओ, शेयर बाजार पर 11 नए शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। शेयर बाजार के लिए 24 जून से शुरू हो रहा सप्ताह बहुत व्यस्त रहने वाला है. इस सप्ताह के दौरान बाजार में दनादन आईपीओ आ रहे हैं और लिस्ट होने वाले नए शेयरों की भरमार है. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अगले 5 दिन में 9 नए आईपीओ लॉन्च होंगे, जबकि 11 नए शेयरों की लिस्टिंग होगी.

बाजार के आंकड़ों के अनुसार, इस सप्ताह आने जा रहे आईपीओ में से मेनबोर्ड पर दो ही कंपनियों के इश्यू लॉन्च हो रहे हैं. वहीं एसएमई कैटेगरी में अगले 5 दिनों में 7 नए आईपीओ आने जा रहे हैं. इससे पहले बीते सप्ताह के दौरान डी डेवलपमेंट इंजीनियर्स और एक्मे फिनट्रेड के आईपीओ लॉन्च हुए थे, जिन्हें निवेशकों से क्रमश- 99 गुना और 55 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ।

अगले पांच दिनों में लॉन्च होने जा रहे आईपीओ में एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ प्रमुख है. यह आईपीओ 25 जून को खुलेगा और 27 जून तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा. इस आईपीओ में 1000 करोड़ रुपये के शेयरों का फ्रेश इश्यू और 500 करोड़ रुपये के शेयरों का ऑफर फोर सेल शामिल है. इस तरह यह आईपीओ ओवरऑल 1,500 करोड़ रुपये का होने वाला है. इसका प्राइस बैंड 267 से 281 रुपये का है।

गोरमी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया डॉ. मुखर्जी का बलिदान दिवस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

गोरमी। भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस भाजपा मंडल गोरमी के कार्यकर्ताओं ने बूथ केंद्रों पर मनाया और इस महान योद्धा को नमन् करते हुए उनको श्रद्धासुमन अर्पित किए गोरमी नगर में बूथ नंबर 77 स्थित भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक के आवास पर आयोजित बलिदान दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंडल अध्यक्ष रमन सिंह भदौरिया, विशेष अथिति के रूप में जिला मंत्री राजकुमार जैन, वरिष्ठ नेता जयवीर पुरोहित मौजूद थे। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको नमन् किया। उपस्थित अतिथियों का स्वागत बूथ अध्यक्ष मुकेश थापक ने किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व मंडल अध्यक्ष रमन सिंह भदौरिया ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अखंड भारत का महान शिक्षविद् बताया और कहा मुखर्जी कश्मीर राज्य को एक अलग दर्जा दिए जाने के घोर विरोधी थे। उन्होंने इसके लिए एक बड़ा आंदोलन छेड़ा। वह जम्मू-कश्मीर के अलग झंडे अलग प्रधानमंत्री और अलग संविधान के विरोधी थे। उनको यह बात नागवार लगती थी। वहां का मुख्यमंत्री वजीरे आजम प्रधानमंत्री कहलाता था। ऐसे महान योद्धा को आज हम सब लोग शत-शत नमन् करते हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने कहा कि सच्चे अर्थों में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर सच्ची श्रद्धांजलि दी है। यह हम सब कार्यकर्ताओं के लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी संतोष भदौरिया ने किया और अंत में आभार प्रकट भूत अध्यक्ष मुकेश थापक ने किया। डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रूप से मंडल उपाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, ओमकार यादव, प्रेमप्रताप नरवरिया, शिवराज यादव, मोनू शर्मा, संतोष भदौरिया, अजय तिवारी, बल्लू पांडे, राहुल थोकदार, रिंकु यादव, बबलू भदौरिया, रिंकू दीक्षित, रणवीर परमार, मुकेश थापक, अजय नामदेव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने जिलों के विकास कार्यों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की समीक्षा

- सांसद श्रीमती राय ने भिण्ड-इटावा चम्बल पुल चालू कराने किया अनुरोध

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा जिलों के विकास कार्यों की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान एनआईसी कक्ष भिण्ड से सांसद श्रीमती संध्या राय, भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया, कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, एसपी डॉ. असित यादव, सीईओ जिला पंचायत जगदीश कुमार गोमे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद श्रीमती संध्या राय द्वारा मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जिला भिण्ड-इटावा के मध्य बना चम्बल पुल पर लगभग एक वर्ष से भारी वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से बंद है। जिसकी वजह से भिण्ड-इटावा, कानपुर तक व्यापार पूर्ण रूप से बंद है। मेरे द्वारा इटावा के अधिकारियों एवं भिण्ड के एमपीआरडीसी अधिकारियों से की गई। चर्चा के दौरान बताया गया कि चम्बल पुल पर चल रहा कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि बंद पुल को शीघ्र ही चालू कराया जाए ताकि आवागमन एवं व्यापार सुगमता से शुरू किया जा सके और भिण्ड जिले के नागरिकों को आवागमन में आ रही समस्या को दूर किया जा सके।

भिण्ड-दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी के अंत और राज्य सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक पहुंचकर उन्हें लाभ दिलाने का कार्य करें ताकि वह विकास की मुख्य धारा से जुड़े। सरकार विभिन्न योजनाओं को संचालित करते हुए अंत्योदय की विचारधारा को लेकर बना रही है हम सब पूर्ण कर्तव्य निष्ठा के साथ योजनाओं को नीचे स्तर तक पहुंच कर अपनी जिम्मेदारी का निर्भर करें।

राष्ट्रीय अभियान के तहत सामाजिक कार्य है पल्स पोलियो अभियान: जिनेश जैन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। प्रदेश भर में 0 से 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का नया चरण रविवार से शुरू हुआ। तीन दिन तक चलने वाले इस अभियान में बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन, पूर्व विधायक सत्य प्रकाश सखवार एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता बच्चू लाल गुप्ता सहित सरकारी अस्पताल के बीएमओ डॉ. प्रमोद शर्मा ने 11 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. प्रमोद शर्मा ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2008 के बाद पोलियो का कोई प्रकरण सामने नहीं आया है। फिर भी पड़ोस के कुछ देशों में अभी भी पोलियो का वायरस सक्रिय है। यह वायरस कभी भी हमारे देश में फिर से प्रवेश कर सकता है, इसलिए राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पोलियो लाइलाज बीमारी है और बच्चों में अपंगता का सबसे बड़ा कारण है। आसपास के देशों में अभी भी पोलियो बीमारी विद्यमान होने के कारण बच्चों की दोहरी सुरक्षा के लिए पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। उन्होंने बताया अभियान के पहले दिन हाईरिस्क एरिया एवं माइग्रेटरी बूथ बनाए गए हैं। जिनपर पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। अभियान में सुपरवाइजरों द्वारा बूथों की निगरानी की जा रही है। अभियान के दूसरे एवं तीसरे दिन टीमों द्वारा घरों का भ्रमण कर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी, जिससे एक भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। पल्स पोलियो टीमें प्रातः आठ बजे से सायं 5 बजे तक प्रतिदिन कार्यरत रहेंगी।अभियान के दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा कि बच्चे को रूटीन इम्युनाइजेशन के दौरान पोलियो का इंजेक्शन लगाया जाता है और हर बार बच्चे को ओरल पोलियो के रूप में दवा पिलाई जाती है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि अभी पोलियो पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। भारत देश 2012 से पोलियो मुक्त घोषित है लेकिन पाकिस्तान और एक दो देश ऐसे हैं जहां यह वायरस सक्रिय है। मलावी नाम के देश में दो वर्ष पूर्व ही वाइल्ड पोलियो वायरस का केस पाया गया था। इस वजह से हमें यह ध्यान रखना होगा कि जब तक यह वायरस पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाता पोलियो की दवा बच्चों को पिलाना जरूरी है उन्होंने कहा कि आज जो बच्चे छूट जाएंगे उन्हें घर-घर। जाकर हेल्थ वर्कर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सोशल वर्कर्स, वॉलेंटियर्स सहित तमाम टीमें बच्चों को दवा पिलाने जाएंगी। श्री जैन ने मौजूद लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने बालक बालिकाओं के स्वस्थ जीवन के लिए पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं यह एक राष्ट्रीय अभियान का सामाजिक कार्य है जिसमें सबकी सहभागिता जरूरी है।

अमर शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की स्मृति में सरकारी अस्पताल में लगा रक्तदान शिविर, 51 लोगों ने किया रक्तदान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा के अंतर्गत माथुर वैश्य मंडलीय परिषद मध्यांचल मंडल के तत्वाधान में आज सरकारी अस्पताल अम्बाह में अमर शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की स्मृति में आठवां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर प्रातः 10:00 बजे प्रारंभ हुआ, जिसका शुभारंभ पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बच्चू लाल गुप्ता द्वारा किया गया। शिविर शुभारंभ होने के उपरांत शिविर में लगभग 51 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए मैत्री वेलफेयर फाउंडेशन अम्बाह द्वारा रक्तदान करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही उन्हें भीषण गर्मी में पंछियों के लिए दाना पानी एवं प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए पौधे भी उपलब्ध कराए। इस मौके पर बच्चू लाल गुप्ता ने बताया कि ब्लड डोनेट करने से सेहत को कोई नुकसान नहीं, बल्कि फायदा होता है। इससे किसी व्यक्ति का जीवन बच सकता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति साल में चार बार ब्लड डोनेट कर सकते हैं। रक्तदाता का हीमोग्लोबिन कम से कम 12.5 होना चाहिए। रक्तदान करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। रक्तदान करने के बाद शरीर में नये रक्त का निर्माण होता है। इससे शरीर की कोशिकाओं को मजबूती मिलती है। रक्तदान करने वाले लोगों को ध्यान रखना होगा कि वे स्वस्थ्य हो, साथ ही एचआईवी, हेपाटिटिस बी या हेपाटिटिस सी जैसे रोग न हुए हों। उन्होंने कहा रक्तदान को लेकर लोगों के मन में भय रहता था, जो प्रचार-प्रसार के बाद धीरे-धीरे कम होने लगा है। रक्तदान करने वाले को चाहिए कि वह शरीर में आयरन की मात्रा को बढ़ाये। नियमित रूप से रक्तदान करने वालों को , पालक व किशमिश जैसी आयरन से भरपूर पोषक तत्व लेने चाहिए। इस दौरान मैत्री वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने कहा कि युवाओं को रक्तदान में ज्यादा से ज्यादा संख्या में हिस्सा लेना चाहिए। रक्तदान महादान की श्रेणी में आता है। रक्तदान करने से जरूरतमंद की मदद तो, होती है। साथ ही रक्तदाता कार्ड प्राप्त करने से भविष्य में अपने या परिवार के लिए भी जरूरत पड़ने पर आसानी से रक्त प्राप्त किया जा सकता है।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा कि रक्तदान से कमजोरी आती है, इस मिथक को तोड़कर बेफिक्र होकर रक्तदान करें, क्योंकि रक्तदान से रक्तदाता को स्वास्थ्य लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि रक्तदाता को जिले ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश मे किसी भी ब्लड बैंक से निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है, साथ ही अन्य मरीजों को भी रक्त उपलब्ध कराया जाता है।

वुड कार्विंग से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

- भोपाल के गौहर महल में प्रदर्शित की जाएगी शहर के कलाकार की नक्काशी वाली कलाकृति

ग्वालियर। मनुष्य का अपना जीवन जीने के लिए पृथ्वी पर पेड़-पौधों का अस्तित्व होना भी आवश्यक है। क्योंकि वृक्षों के बिना जीवन संभव नहीं है। वृक्ष हमेशा देते हैं हमसे कुछ लेते नहीं हैं। वृक्ष के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है, गर्भ में पल रहा भ्रूण भी इस बात को लेकर चिंतित है कि मैंने जन्म लिया और मुझ पेड़-पौधों का सहारा नहीं मिला तो पृथ्वी पर मेरा क्या अस्तित्व होगा। पेड़-पौधों को बचाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही है शहर के आर्टिस्ट की एक शानदार कलाकृति। जिसे अगले सप्ताह राजधानी भोपाल के गौहर महल में प्रदर्शित किया जाएगा। इंटरनेशनल सेंटर ऑफ मीडिया एक्सीलेंस पर सेंटर डायरेक्टर एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. केशव पाण्डेय, ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के पूर्व सचिव शैलेंद्र मिश्रा एवं शिल्प कला प्रमोटर पवन शर्मा ने कलाकार दिलशाद खान की वुड कार्विंग (लकड़ी पर नक्काशी) कलाकृति का अनावरण किया। इस दौरान नेहरू पेट्रोल पंप निवासी आर्टिस्ट दिलशाद ने बताया कि इस कलाकृति को बनाने में पांच महीने का समय लगा है। इसके जरिए बताया गया है कि पेड़ काटे जा रहे हैं, जंगल उजड़ रहे हैं ऐसे में गर्भ में पल भ्रूण भी चिंतित है कि बिन पेड़-पौधों के मेरा जीवन कैसा होगा। इसलिए समय रहते हमें चेतना होगा। उन्होंने बताया कि अभी इस वुड कार्विंग को भोपाल में 26 जून को आयोजित नेशनल अवॉर्ड प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की दिल्ली में में आयोजित प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया जाएगा। इस मौके पर मौजूद अतिथियों के साथ ही आबू खान, सचिन पाण्डेय, गौरव शर्मा, मनीष शर्मा, राजेंद्र मुदगल एवं दीपक तोमर ने दिलशाद को शुभकामनाएं दीं।

नहीं बैठता कोई तीर निशाने पर
ले आए फिर भी कश्मीर, निशाने पर
काशी विश्वनाथ में झटका लगा बड़ा
अब हैं देखो दाता पीर,निशाने पर
लव जिहाद के बाद , दुखी थे बेचारे
अब है केवल रांझा - हीर निशाने पर
केसर की क्यारी को खंड - खंड करके
रख ली है उसकी तकदीर, निशाने पर
खातूनों के बीच लगाकर सत्तासन
ले आए हैं डल का नीर, निशाने पर
मेरी मानो तो अब बहुत जरूरी है
रखना खुद की ही तासीर निशाने पर
हम उन लोगो में से हैं,अब गिने चुने
रहती है जिनकी तकरीर निशाने पर
संस्कार ऐसे हैं सबसे अलग-थलग
जिसमे आता नहीं फकीर निशाने पर
-राकेश अचल

बच्चों की सुरक्षा में कोई चूक न होने दें, पोलियो की खुराक जरूर पिलाएं: अखिल माहेश्वरी

- सभी पोलियो अभियान में योगदान दें, दो बूंद हर बार पोलियो पर जीत रहे बरकरार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। विगत दिवस 23 जून को पोलियो दिवस के रूप में स्वास्थ्य एवं परिवार में कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में निरंतर पोलियो अभियान चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में सदैव की भांति लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन ने भी 5 वर्ष तक के हर बच्चे को हर बार पोलियो की खुराक दिलाएं। इस संकल्प के साथ कि दो बूंद हर बार पोलियो पर जीत रहे हर बार अभियान की शुरुआत सिविल हॉस्पिटल जौरा में पोलियो बूथ पर नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी ने स्वयं अपने हाथों से मासूम बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर इस अभियान की शुरुआत की। श्री माहेश्वरी के साथ मुख्य ब्लॉक चिकित्सा आफिसर डॉ. आर.एस. सैमिल के अतिरिक्त अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी अधिकारी भी मौजूद रहे। अखिल श्री माहेश्वरी ने बताया कि भारत पोलियो मुक्त है, लेकिन पोलियो कुछ देशों में अभी भी है। यह एक बहुत ही खतरनाक संक्रामक रोग है। अन्य देशों से भारत देश में लौट सकता है इसलिए अपने बच्चों की सुरक्षा में कोई चूक न होने दें। पोलियो ड्रॉप की खुराक 5 वर्ष तक के हर बच्चे को हर बार पिलाएं। श्री माहेश्वरी ने आग्रह किया पोलियो पर देश की जीत बरकरार रखने में सभी जागरूकता के साथ इस राष्ट्रीय पोलियो दिवस अभियान में योगदान दें। श्री माहेश्वरी ने कहा कि संवेदनशील मुख्यमंत्री इस अभियान की सतत् निगरानी कर रहे हैं। मुख्य ब्लॉक मेडिकल आफिसर डॉ. आरएस सैमिल ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 जून से 25 जून तक 5 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप की खुराक पिलाई जाएगी। स्वास्थ्य कार्यकर्ता आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर भी पोलियो ड्रॉप पिलाई जाएगी। 24 से 25 जून को घर-घर जाकर भी इस अभियान के अंतर्गत बच्चों को यह दवा पिलाई जाएगी। इस पवित्र अभियान में नपाध्यक्ष के साथ पार्षदगण बिनोद बंटी रावत, शिवदयाल सिंह गौर, डॉ. रंजना रवीन्द्र त्यागी, पंजाब सिंह जाटव, दामोदर सिंह, संगीता अनिल वर्मा, बीरबल सिंह जाटव कदम सिंह कुशवाहा, श्रीमती कालिंद्री सुभाष शर्मा, सुनील शर्मा, विनोद बब्लू शर्मा, पिंकी, नरेश प्रजापति, सामाजिक कार्यकर्ता अनुज सिकरवार अजय सिंह गौर, जगदीश गौर आदि सहयोग कर रहे हैं।

आषाढ़ का पहला दिन और हम-आप

आषाढ़ का पहला दिन अर्थात् वर्षा ऋतु का पहला दिन। कालिदास का मेघदूत भी यही कहता है और मोहन राकेश का नाटक 'आषाढ़ का पहला दिन' भी। मोहन राकेश ने ये नाटक जब लिखा गया तब मै अपनी माँ के गर्भ में था, लेकिन जब इस नाटक को संगीत नाटक अकादमी का पुरस्कार मिला तब मेरा जन्म हो चुका था । मैंने आषाढ़ और उसके पहले दिन के बारे में तब जाना जब मै 14 साल का हो गया था। तब से अब तक मै और मेरी तरह शायद हर आदमी आषाढ़ के पहले दिन का बेताबी से इन्तजार करता है।

देह जलाने वाली गर्मी झेलने के बाद हर जीव को शीतलता की आवश्यकता होती है। 'ग्लोबल वार्मिंग' के दौर में आषाढ़ के पहले दिन की महत्ता और ज्यादा बढ़ गयी है। विश्व में मौसम सुखानुभति के साथ आपदा बनकर भी आते हैं। ज्यादा शीत, ज्यादा गर्मी, ज्यादा वृष्टि आपदाओं का कारण बनते हैं। कोई भी मौसम हो आपदा में तब बदलता है जब हम मौसम से छेड़छाड़ करते हैं। कलियुग में ऋतुएँ आपदा का वाहक ज्यादा बन गयीं हैं, बावजूद इसके आषाढ़ अपनी जगह है। उसके पहले दिन का इन्तजार आज भी सभी को रहती है। जिन मित्रों ने कालिदास का 'मेघदूतम' पढ़ा है वे जानते हैं की दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति कालिदास है और उसके जीवन में कोई न कोई उज्जयनी है। प्रियंगुमंजरी है मल्लिका है।

आषाढ़ के पहले दिन का सबसे ज्यादा इन्तजार हमारे देश के अन्नदाता यानि किसान को होता है। जैसे मोहन राकेश ने आषाढ़ के पहले दिन पर नाटक लिखा तो कविवर भवानी मिश्र ने कविता लिख दी।भवानी प्रसाद मिश्र जी ने अपनी कविता में कवि ने किसानों के लिए बादलों के महत्व को बताया है। मानसून के द्वारा किसान को होने वाली खुशी का वर्णन किया है। आषाढ़ के महीने में ही बारिश के आसार बनते हैं । किसान इंतजार करता रहता है क्योंकि बादलों के आने से बारिश होती है, जिससे खेतों की सिंचाई होती है। आषाढ़ का महीना अपने सात किट-पतंग, शलभ, दादुर ध्वनि, मयूर नृत्य, कोयलों की कूक, पपीहों की पीहू-पीहू अपने साथ लेकर आता है। धरती ढाणी चूनर ओढ़ती दिखाई देने लगती है।

हम भारतियों के लिए हर महीने का अलग महत्व है। हिन्दू पांचांग में हर महीने की अपनी विशेषता होती है। आषाढ़ का भी महत्व इसीलिए है क्योंकि ये हमारे कैलेंडर का चतुर्थ महीना है। जेठ के बाद आता है। ज्योतिष के मुताबिक आषाढ़ मास का नाम पूर्वाषाढ़ा और उत्तराषाढ़ा नक्षत्र ऊपर रखा गया है। आषाढ़ मास का नाम पूर्वाषाढ़ा और उत्तराषाढ़ा नक्षत्र ऊपर रखा गया है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा को चंद्रमा पूर्वा आषाढ़ और उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के मध्य में रहता है इसलिए इस मास को आषाढ़ का मास कहा जाता है। वैदिक ज्योतिष में, सूर्य के मिथुन राशि में प्रवेश के साथ आषाढ़ शुरू होता है।

आषाढ़ की महत्ता के बारे में मुझसे ज्यादा मेरी श्रीमती जानती है। उन्होंने ही मुझे बताया कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवरात्रि का आरंभ होता है। इसे 'गुप्त नवरात्रि' कहते हैं। इसकी गोपनीयता का कारण है कि यह काल ऋतु परिवर्तन का समय है। प्रत्येक ऋतु परिवर्तन में विभिन्न रोग मानव पशु-पक्षियों के साथ वनस्पतियों में भी लग जाते हैं। अतः उन रोगों की निवृत्ति के लिये हम देवी माता की आराधना करते है जिसे एकांत स्थान में करने का विधान है जिससे बहुत जल्द ही देवी माँ प्रसन्न होती है और वरदान देती है।वे कहतीं हैं कि आषाढ़ मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी कहते हैं। इसके व्रत से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यह इस लोक में भोग और परलोक में मुक्ति देने वाली है। यह तीनों लोकों में प्रसिद्ध है। इस दिन लोग पूरे दिन का व्रत रखकर भगवान नारायण की मूर्ति को स्नान कराकर भोग लगाते हुए पुष्प, धूप, दीप से आरती करते हैं। ग़रीब ब्राह्मणों को दान भी किया जाता है। इस एकादशी के बारे में मान्यता है कि मनुष्य के सब पाप नष्ट हो जाते हैं तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है ।

आपको बता दें कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को 'गुरु पूर्णिमा' अथवा 'व्यास पूर्णिमा' कहते हैं। इस दिन लोग अपने गुरु के पास जाते हैं तथा उच्चासन पर बैठाकर माल्यार्पण करते हैं तथा पुष्प ,फल, वस्त्र आदि गुरु को अर्पित करते हैं। यह गुरु - पूजन का दिन होता है जिसकी प्रथा प्राचीन काल से चली आ रही है।आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि को व्रत किया जाता है। यह एकादशी स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करने वाली एवं संपूर्ण पापों का हरण करने वाली है। इसी एकादशी से चातुर्मास्य व्रत भी प्रारंभ होता है। इसी दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में शेषनाग की शैय्या पर तब तक शयन करते हैं, जब तक कार्तिक शुक्ल मास की एकादशी नहीं आ जाती है।

आषाढ़ के पहले दिन यदि जलवृष्टि हो जाये तो सोने में सुहागा समझिये। पानी बरसे या न बरसे लेकिन कुछ बूंदे तो खिरकना ही चाहिए, थोड़ी-बहुत मेघ गर्जना तो होना चाहिए, बिजली चमकना चाहिए, अन्यथा आषाढ़ का पहला दिन सुखद नहीं माना जाता। यदि आषाढ़ के पहले दिन आसमान में विचरते मेघ यदि कृपणता दिखाएँ तो हमारा मन खिन्न हो जाता है। इसलिए मेघों को मनाइये। ये मेघ ही हमारी उन्नति, सुख के दूत हैं। आषाढ़ का महीना जून और जुलाई का संधि माह है । यानि गर्मी विदा ले रही है और वर्षा ऋतु आ रही है। इसके लिए तैयार रहिये। इस ऋतु का स्वागत कीजिये। अपने आसपास नए पौधे रोपिये, जल संरक्षण कीजिये। देशाटन कीजिये। इसी तरह आषाढ़ आपके जीवन में खुशियों का आधार बनेगा। यदि आप आषाढ़ का महत्व न समझे तो आपको ही नुकसान होगा।

हकीकत ये है कि सियासी नजरिये से आषाढ़ का महीना देश के लिए शुभ नहीं है क्योंकि इस महीने में ही नीट घोटाला रोज नयी करवटें बदल रहा है। इस महीने में ही देश में भादंसं का नाम बदल कर भारतीय न्याय संहिता हो रहा है। नयी धाराएं लागू हो रहीं है। साक्ष्यों के लिए नए विधान लागू किये जा रहे हैं। इसके लाभ भी हैं और हानि भी। इन सब के प्रति जागरूक होना ही आषाढ़ का असल सन्देश है। आषाढ़ के महीने में दिल्ली की मंत्री आतिशी पानी के लिए अनशन पर है। वित्तमंत्री जीएसटी के जरिये जनता को दुहने के नए तरीके खोज रहीं हैं। संसद का नया सत्र भी शुरू हो रहा है। यहां भी बादल गरजेंगे और बरसेंगे ।बहरहाल आप सभी को आषाढ़ के पहले दिन की शुभकामनाएं। उम्मीद है की आपके यहां भी जलवृष्टि का शुभारम्भ हुआ होगा।

राकेश अचल
achalrakesh1959@gmail.com

मत छेड़िये बेसुरे शिकायुती राग वाणी से बनता बिगड़ता है भाग्य

पंडित आशीष तिवारी

कमाई और गरीबी को लेकर कभी झूठ मत बोलो, जुबान पर दिन में एक बार सरस्वती बैठती हैं। इसलिए Negative बात मत करो, ये बात ज्योतिष भी मानता है। धर्म भी कहते है, जैसा सोचोगो या बोलोगे वैसे ही बनोगे और वैसा ही होगा। देखा गया है की कई लोगो की जुबान काली होती है, ऐसे लोग जो बोलते हैं वो घटित हो जाता है। ज्योतिष, कालपुरुष की कुंडली में इसकी तार्किक व्याख्या करता है। भावो के परस्पर सम्बन्ध से जुड़े कुछ सूत्रों के आधार पर इसे समझा जा सकता है।

प्रथम सूत्र
वाणी में बैठे ग्रह का सीधा सम्बन्ध अष्टम भाव अर्थात संचित और प्रारब्ध कर्म से है। लगातार नेगेटिव बात करने से वो नेगेटिव चर्चा कर्म रूप में अष्टम भाव में संचित हो जाती है। इस जनम या फिर अगले जनम में वो नेगेटिव बात होकर ही रहती है।

द्वितीय सूत्र
अष्टम भाव में कर्म रूप में संचित वाणी मंगल के प्रभाव के कारण एकादश भाव पर नकारात्मक प्रभाव डालती है और कर्म से जुडी मुनाफा दिलवाने वाली ऊर्जा नष्ट हो जाती है। कर्म निस्तेज हो जाता है मुनाफा घाटे में बदल जाता है।

तृतीय सूत्र
सुख और दुःख की परिकल्पना चतुर्थ भाव में उपजी सोच के कारण बनती है। लगातार दुःख और असफलता के बारे में सोचने पर दशम भाव प्रभावित होता है और कर्म की गति मंथर होकर असफलता का रास्ता खोल देती है।

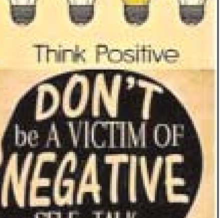

खुद को मत कोसो लगातार, फट जाएगा कर्मो का ढोल
ले हरिनाम बनेंगे काम, मुसीबत में तोल मोल के बोल

जिले में पल्स पोलियो अभियान के तहत 2377 बूथों पर पोलियो की दवा पिलाई गई

प्रभारी कलेक्टर ने पोलियो दवा पिलाकर अभियान का किया शुभारंभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पोलियो को समूल नष्ट करने

के लिए प्रदेश के 55 जिलों में पल्स पोलियो अभियान 23 जून को चलाया गया है। इसके तहत मुरैना जिले में भी पल्स पोलियों के लिए 2 हजार 377 बूथ बनाये गये है। रविवार को प्रभारी कलेक्टर सीबी प्रसाद ने जिला चिकित्सालय मुरैना पहुंचकर पल्स पोलियों अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गोयल सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद थे।

प्रभारी कलेक्टर सीबी प्रसाद ने प्रातः जिला चिकित्सालय पहुंचकर गोलू, शालू, शिवानी और मोहन को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के तहत मुरैना जिले में 2 हजार 377 पोलिंग बूथों पर 2 लाख 26 हजार 224 बच्चों को प्रथम दिन पोलियो की खुराक पिला गई। शेष छूटे हुए बच्चों को 24 एवं 25 जून को घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गोयल ने बताया कि जिले में ए प्लस बी प्रकार के 228 बूथ, सी प्रकार के 169 बूथ और कुल 2 हजार 377 बूथ बनाए गए थे। जिन पर 4 हजार 754 कर्मचारी लगाए गए थे। इसके अलावा 284 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए थे। छूटे हुए बच्चों को 24 जून को घर-घर पहुंचकर दवा पिलाने के लिए 299 टीम गठित की गई है। डॉ. अजय गोयल ने बताया कि विशेश सायटों के लिए 170 ट्रांजिस्टर टीम तैयार की गई थी। प्रवासी साइटो के लिए 126 टीम बनाई गई थी, जो निरंतर पूरे समय फील्ड में घूमते देखी गयी। इसके अलावा 2 हजार 398 उपलब्ध वैक्सीन वहक लगाई गई थी। पूरे अभियान में 3 लाख 16 हजार 235 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जिले के सभी 07 ब्लॉकों में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई गई

मुरैना। मुरैना जिले के सभी 07 ब्लॉकों में पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई गई। जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर समूह की सभी दीदीयो ने अपने बच्चों को पोलियो बूथ पर जाकर दवा पिलाई। समस्त समता समन्यवक, समता सखी, पोषण सखी एवं स्वास्थ्य सखी ने विशेष रूप से सभी दीदीयों को जागरुक करते हुए पल्स पोलियो के महा अभियान के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को पोलियो बूथ पर लाने के लिए सहयोग किया।

मम्मा सर्व गुणों की खान और मानवीय मूल्यों की विशेषताओं से सम्पन्न थीं: कृष्णा दीदी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती जी का 59वां पूर्ण स्मृति दिवस आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में ब्रह्माकुमारी पाठशाला रामनगर मुरैना में मनाया गया। ब्रह्माकुमारी कृष्णा दीदी जी ने मम्मा की विशेषताओं के बारे में बताया। जब-जब संसार में दिव्यता की कमी, धर्म की ग्लानि, समाज में अन्याय, अत्याचार, चरित्र में गिरावट व विश्व में अशांति के बीज पनपने लगते हैं, तब-तब इन समस्त बुराइयों को समाप्त करने के लिए किसी महान विभूति का जन्म होता है। इन्हीं में से एक महान विभूति थीं-जगदम्बा सरस्वती (मम्मा): इसका बचपन का नाम राधे था। इनका जन्म 1919 में अमृतसर में हुआ। मम्मा सर्व गुणों की खान और मानवीय मूल्यों की विशेषताओं से सम्पन्न थीं। मम्मा ने कभी किसी को मौखिक शिक्षा नहीं दी बल्कि अपने प्रैक्टीकल जीवन से प्रेरणा दी। इसी से दूसरे के जीवन में परिवर्तन आ जाता था। मम्मा के सामने चाहे कितना भी विरोधी, क्रोधी, विकारी, नशेड़ी आ जाता परन्तु मम्मा की पवित्रता, सौम्यता व ममतामयी दृष्टि पाते ही वह शांत हो जाता और मम्मा के कदमों में गिर जाता। मम्मा की सत्यता, दिव्यता व पवित्रता की शक्ति ने लाखों कन्याओं के लौकिक जीवन को अलौकिकता में परिवर्तित कर दिया और उन कन्याओं ने अपना सीमित परिवार त्याग कर विश्व को अपना परिवार स्वीकार करके विश्व की सेवा में त्याग व तपस्या द्वारा जुट गईं। मानव समाज को मम्मा ने अपने जीवन के अनुभव से एक बहुत बड़ी देन दी है कि अपने जीवन को सफल बनाने के लिए व विश्व सेवा के लिए बीस नाखूनों की शक्ति लगा दो तो सफलता अवश्य आपके हाथ लगेगी। मम्मा बहुत कम बोलती थीं और दूसरों को भी कम बोलने का इशारा करती थीं। अधिक बोलने से हमारी शक्ति नष्ट हो जाती है, ऐसा मम्मा का कहना था।इस प्रकार अपने ज्ञान, योग, पवित्रता के बल से विश्व की सेवा करते हुए मम्मा-सरस्वती ने 24 जून 1965 को अंतिम सांस ली। सभी भाई बहनों ने मम्मा को पुष्प अर्पित करके भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

किसानों की हितैषी ऐसाह लिफ्ट इरिगेशन योजना फाइलों में हो गई: राजपाल सिंह

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। कांग्रेस ने किसानों के लिए चंबल डिवीजन के किसानों के हितार्थ ऐसाह लिफ्ट इरिगेशन योजना शुरू की थी, जो बीजेपी के राज्य में फाइलों में दफन होकर रह गई। इस ऐसाह लिफ्ट लिफ्ट इरिगेशन योजना से हजारों किसानों का लाखों रुपए का फायदा होने वाला था। यह बात राजपाल सिंह तोमर पूर्व जनपद एवं कृषि उपज मंडी समिति सदस्य ने कही। चंबल डिवीजन के किसानों को सिंचाई में कोई परेशानी ना आए इसके लिए मध्य प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने ऐसाह लिफ्ट इरिगेशन योजना तैयार की थी जिस पर अमलीजामा पहनाया जा रहा था। इस दरमियान प्रदेश से कांग्रेस की सरकार चली गई तब से आज अभी काफी लम्बा लंबा समय हो चुका है, मगर अभी तक ऐसाह लिफ्ट इरिगेशन योजना की कोई जानकारी किसी को किसी प्रकार की नहीं है। ऐसाह लिफ्ट इरिगेशन योजना फाइलों में दफन होकर रह गई अगर यह योजना लागू कर दी जाएगी तो चंबल क्षेत्र के किसानों को लगभग प्रतिवर्ष 100000 से 300000 अतिरिक्त आय बढ़ जाएगी तथा हजारों किसानों को इस योजना से लाभ प्राप्त होगा। राजपाल सिंह तोमर पूर्व जनपद पंचायत सदस्य एवं पूर्व कृषि उपज मंडी समिति सदस्य प्रदेश शासन से मांग की है कि ऐसाह लिफ्ट इरिगेशन योजना पुनः शुरू की जाए जिससे किसानों को काफी लाभ हो सके।

वर्ष 2023 के लिए मध्यप्रदेश राज्य के लिए शासकीय पोलीटेक्निक कॉलेज मुरैना के प्रोफेसर को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय पोलीटेकनिक शिक्षक पुरस्कार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। इंडियन सोसाइटी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (ISTE) नई दिल्ली की राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023 योजना के अन्तर्गत 'वर्ष 2023 के लिए मध्यप्रदेश राज्य के सर्वश्रेष्ठ पॉलिटेक्निक शिक्षक पुरस्कार' के लिए शासकीय पोलीटेक्निक कॉलेज मुरैना के प्रोफेसर दिलीप गांगिल वरिष्ठ व्याख्याता को 53वें आईएसटीई वार्षिक राष्ट्रीय संकाय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान आईएसटीई नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रतापसिंग काका देसाई एवं कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज विश्वविद्यालय भुवनेश्वर ओडिसा के संस्थापक प्रोफेसर अच्युत सामंत द्वारा दिनांक 22 जून 2024 को कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (KIIT) विश्वविद्यालय भुवनेश्वर उड़ीसा में सहर्ष प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार के रूप में श्री गांगिल को रु 3000/- नकद, पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रोफेसर दिलीप गांगिल आई.आई.टी.

रूढ़की से एमटेक है और विगत 24 वर्षों से शिक्षण एवं शोध कार्यों से जुड़े हुए हैं।

चयन समिति ने देश-प्रदेश से आई विभिन्न प्रविष्टियों का अध्ययन करने के उपरान्त अध्यक्ष आईएसटीई नई दिल्ली ने पुरस्कार चयन समिति की विभिन्न श्रेणीयों की सिफारिशों को मंजूरी दी गई और उनमें से एक श्रेणी 'वर्ष 2023 के लिए मध्यप्रदेश राज्य के सर्वश्रेष्ठ पॉलिटेक्निक शिक्षक पुरस्कार' के लिए मुरैना जिले को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया गया। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रोफेसर दिलीप गांगिल ने मुरैना जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में रोशन कर दिया है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की आवश्कयता के अनुसार हिन्दी में तकनीकी पाठ्यपुस्तक लेखन को प्रोत्साहित करने के उद्धेश्य को पूरा करने के लिए शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय मुरैना में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में पदस्थ प्रोफेसर दिलीप गांगिल द्वारा चार तकनीकी पुस्तकों का हिन्दी भाषा में लेखन किया गया एवं उनके उक्त उत्कृष्ट कार्य के लिए श्री गांगिल को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019, 2021 एवं 2023 में सम्मानित किया गया। वर्ष 2022 में भी श्री गांगिल को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् नई दिल्ली भारत सरकार की तकनीकी पाठ्य पुस्तक लेखन योजना के अन्तर्गत तकनीकी पुस्तक का हिन्दी में अनुवाद के लिए मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए श्री गांगिल को कलेक्टर जिला मुरैना द्वारा भी 15 अगस्त 2023 को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

उपयोग करें तन-मन-धन का परमार्थ में, नहीं तो सब यही छूटेगा: विष्णु प्रिया जी

हाकिम, डॉ. प्रगति जुली ने चढ़ाया भोग, बड़ी संख्या में वितरित हुए वस्त्र, साड़ी सूट एवं चश्मे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

परमार्थ शिविर में 259 मरीज और 29 सेवक हुए उपस्थित

मुरैना। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, एवं विनय पत्रिका एवं भक्तमाल की कथा हुई। इसके साथ ही 259 मरीजों ने अपना परीक्षण करा के उपचार कराया। विषय बार मरीजों की संख्या इस प्रकार रही -दन्त रोग 101 स्व. जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 72, नाक, कान, गला 24, सर्जरी 40, अस्थि रोग 44, नैत्र रोग 29, अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए -दांतों के सेट 0, ब्लड प्रेसर की जाँच 34, ई.सी.जी 01, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 41, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 21, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 39, एम्स में पंजीयन 01 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष मे- दांत शल्य क्रिया 47, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायरिया का इलाज 26, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष मे प्रारंभ हुई जिसमें आँखों की जाँच 19 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये। निष्काम भाव से सेवकों ने सेवा की। डॉ. एस.के. शर्मा, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. बीएल राजपूत, डॉ. मुकुल सिंघल, डॉ. दीपक बंसल, डॉ. प्रगति शर्मा, प्रदीप शर्मा, सुषमा शर्मा, जूली प्रजापति, गुडडी, बबिता, कस्तूरी, सलोनी श्रीवास, ओमवती, शीतल, राजश्री, श्यामवती, सुरेश चंद्र माहेश्वरी मनीराम, अनुपम जी, रमेश बाऊजी, श्याम शर्मा, दीपू तोमर, मयूर अग्रवाल, हाकिम सिंह, भगवान दास दंडोतिया प्रकाश, अभिषेक, पवन शर्मा आदि ने निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं।

प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियों ने अपनी सेवाये परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान की। भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना ईलाज कराया। परमार्थ न्यास में प्रत्येक रविवार की तरह सभी सेवकों ने उपस्थित होकर पूजा पाठ रामचरितमानस पाठ भकात्मल कथा विनय के पद रामरक्षा स्त्रोत का पाठ आरती एवं संकीर्तन किया एवं श्रवण लाभ लिया। आज परमार्थ न्यास में विष्णु प्रिया जी पधारी आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर हृदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि एक समय की बात है एक रियासत में एक राजमाता रहती थी। वह बहुत धार्मिक विचारों की स्त्री थी। एक दिन राजमाता ने सोचा कि क्यों न सोने का तुला दान कर के मंदिर में चढ़ाया जाए। राजमाता ने अपने मन में आये विचार को अंजाम तो दिया। परन्तु ऐसा करने के बाद उसके मन में अहंकार पैदा हो गया कि आज तक और किसी ने बहुमूल्य सोने का दान नहीं किया होगा। रात को जब वह सोयी तो भगवान ने उसके सपने में आकर उसे कहा कि मेरे मंदिर में एक गरीब महिला आई है। उसके संचित पुण्य असीमित हैं। उनमे से कुछ पुण्य तुम स्वर्ण मुद्राएँ देकर खरीद लो। तुम्हारे परलोक में काम आएंगे। जैसे ही राजमाता की नींद खुली, वह बहुत बैचैन हो उठी और उसने अपने सिपाहियों को आदेश दिया कि मंदिर में एक गरीब महिला मिलेगी उसे यहाँ ले आयो।

राजमाता के आदेशानुसार सिपाही मंदिर से उस महिला को पकड़कर ले आये। वह गरीब महिला बहुत घबराई हुई थी। राजमाता ने उस महिला से कहा कि 'तुम अपने संचित पुण्य में से कुछ हमें दे दो बदले में हम तुम्हे जितनी तुम चाहो तुम्हें स्वर्ण मुद्राएँ भेंट करेंगे। यह सुनकर वह महिला बोली कि मुझ गरीब से भला पुण्य के कार्य कैसे हो सकते है। मैं तो दर दर भटक कर भीख मांगती हूँ। कल जब मुझे भीख मिली तो मेरे मन में विचार आया कि मंदिर में जाकर भगवान को भोग लगा दूँ और उनके दर्शन भी कर लूँ। पर रास्ते में मुझे एक भिखारी मिला जो बहुत भूखा था। इसलिए मैंने आधा सत्तू उसे दे दिया और बाकि सत्तू का मैंने मन्दिर में भगवान को भोग लगा दिया। जब मैं भगवान को ठीक से प्रसाद भी नहीं चढ़ा पायी तो भला पुण्य कैसे अर्जन होगा?

यह सब सुनकर राजमाता की आँखे खुल गयी और उसका अहंकार नष्ट हो गया। क्योंकि अब वो समझ चुकी थी कि निस्वार्थ समर्पण की भावना से प्रसन्न होकर भगवान ने उसे असीमित पुण्य दिया है। इसके बाद राजमाता समझ गयी कि दीन दुखियों की सेवा ही असली सेवा है। उसी में भगवान प्रसन्न होते हैं।

सेवा और सत्कर्म का जो वास्तविक स्वरूप होता है वो मैंने आज मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में देखा यहाँ के समस्त सेवक जनो के सेवा सत्कर्म का भाव देखकर मैं हृदय से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करती हूँ एवं जन मानस से आग्रह करती हूँ कि एक बार यहाँ आने का बाद मन को शन्ति अवश्य मिलती है। मैं सभी को आशीष, शुभकामनाएं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि परमार्थ न्यास के सभी सेवकों में जन मानस की सेवा सत्कर्म का भाव सदैव इसी प्रकार बना रहे और यह सेवा सत्कर्म निरन्तर मानव कल्याण के मार्ग को परस्त करता रहे आज अपने देश मे इस प्रकार की सेवा व सत्कर्म की परम आवश्यकता है। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास इस प्रकार की सेवाएं उपचार नशामुक्ति दीनों की सहायता एवं हर मानव को सेवा में सहयोग के लिये आह्वान भी कर रहा है।

रोटरी क्लब मुरैना द्वारा बनाया गया मॉडल पोलियो बूथ, 400 बच्चों ने पी पोलियो रोधी दवा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रोटरी अंतर्राष्ट्रीय का पोलियो उन्मूलन में विश्व भर में एक विशेष योगदान रहा है। पोलियो दिवस पर रोटरी क्लब मुरैना द्वारा एम.एस. रोड, शहीद संग्रहालय पर एक पोलियो मॉडल बूथ बनाया। जिला टीकाकरण अधिकारी और हमारे क्लब के सदस्य डॉ. अजय गोयल के मार्गदर्शन और दिशा निर्देशन में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत आज प्रातः 9:00 बजे से सांय 5 तक संग्रहालय के आगे 0-5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाए गए। बच्चों के आकर्षण हेतु इस

बूथ को अच्छे से सजाया गया और हर बच्चे को पोलियो ड्राप के बिस्कुट और चॉकलेट भी बांटे गए पोलियो बूथ का शुभारंभ जिला टीकाकारी अधिकारी डॉ. अजय गोयल एवं अध्यक्ष डॉ. राकेश माहेश्वरी ने बच्चे को पोलियो ड्राप पिला कर की रोटरी क्लब मुरैना से सचिव अतुल माहेश्वरी, डॉ. संजय शर्मा, दीपक मोदी, रविंद्र गर्ग, कमल गोयल, रवि गुप्ता, जुगल अग्रवाल, डॉ. जतिन गर्ग, चेतन्य कुलश्रेष्ठ, प्रकाश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे साथ ही जिला चिकित्सालय का मेडिकल स्टाफ, एन.सी.सी क्रेडिट का भी विशेष सहयोग रहा।

बानमोर स्टेशन पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

मुरैना। राजकीय रेलवे पुलिस की टीम ने बानमोर रेलवे स्टेशन से शनिवार

को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। जीआरपी के अनुसार मृतक की आयु तकरीबन 35 साल रही होगी, उसने अपने शरीर पर काला पेंट पहना हुआ था। उसके पेंट की जेब से पुलिस को सामान्य श्रेणी वाला बैंगलुरू से वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन का 16 जून 2024 का टिकट मिला है। मृतक कौन है और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह जांच का विषय बना हुआ है। फिलहाल जीआरपी पुलिस ने शव को डैड हाऊस में रखवा कर उसकी शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

रेल्वे स्टेशन, बस स्टैंड सहित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र जौरा में पिलाई गई पल्स पोलियो की दवा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मुरैना डॉ. राकेश शर्मा के निर्देशन में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरएस सैमिल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जौरा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 23 जून रविवार को प्रारंभ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी मोजूद रहे। उन्होंने मासूम बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर पल्स पोलियो का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर पालिका जौरा के पार्षद एवं सीएचसी जौरा के बीपीएम महेंद्र पाल सिंह, बीसीएम श्रीमती मधु सैमिल,आईसीटीसी परामर्शदाता संदीप सेंगर, एसटीएस दिनेश पचौरी, एसटीएलएस रणवीर गोयल, लैब टेक्नीशियन वीरेंद्र सिंह बंसल, सत्येंद्र शाक्य, रणवीर पारा, धर्मेंद्र शर्मा, रघुराज शर्मा, प्रमोद त्यागी, उपासना मीणा, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मंत्री प्रद्युम्न तोमर ने जिंदगी की दो बूँद पिलाकर किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

- कलेक्टर अपने बेटे को पोलियो की दवा पिलवाने बूथ पर लेकर पहुँचीं

ग्वालियर। जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रक्षा कवच पहनाने के लिये तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान रविवार को शुरू हुआ। अभियान के पहले दिन जिले भर में बनाए गए 2216 पोलियो बूथ पर बच्चों को जिंदगी की दो बूँद पिलाई गईं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सिविल अस्पताल हजीरा में बनाए गए पोलियो बूथ पर पहुँचकर बच्चों को जिंदगी की दो बूँद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इसी तरह विधायक मोहन सिंह राठौर ने वीरपुर के पोलियो बूथ पर एक नन्ही-मुन्नी बच्ची को पोलियो रोधी दवा पिलाई।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान अपने बेटे को लेकर शासकीय डिस्पेंसरी ठाठीपुर के पोलियो बूथ पर पहुँचीं और उसे जिंदगी की दो बूँद पिलवाईं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि अभियान के तहत 24 व 25 जून को घर -घर जाकर शेष बचे बच्चो को पोलियोरोधी खुराक पिलाई जायेगी । यदि किसी कारणवश जन्म से 5 वर्ष तक के अपने बच्चों को 23 जून को पोलियो की दवा न पिला पाएँ हों तो वे 24 व 25 जून को दवा अवश्य पिलवायें, जिससे बच्चों को पोलियो जैसी घातक बीमारी से बचाया जा सके। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके राजौरिया ने जिला चिकित्सालय मुरार में बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलवाई। इसी तरह जिले के अन्य पोलियो बूथ पर जनप्रतिनिधिगण नौनिहालों को जिंदगी की दो बूँद पिलाने पहुँचे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आर. के. गुप्ता ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान में लगभग 3,47,305 बच्चो को पोलियो से बचाव के लिए दो बूंद खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के पहले दिन जिले में 2216 बी टाईप के बूथ पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। इसके अतिरिक्त 140 सी टाईप टीमों ने भी पोलियो दवा पिलाने का काम किया। साथ ही 83 टीमों द्वारा ट्रांजिट बूथ के जरिए हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, प्रमुख चौराहों, इत्यादि पर पोलियो की दवा पिलाई गई। इसके अलावा 15 मोबाइल टीम के माध्यम से घुमंतू परिवारों, सड़क निर्माण, क्रेशर ईंट भट्टों इत्यादि माइग्रेटरी परिवारों के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का काम किया जा रहा है।

शहर में आधा दर्जन स्थलों पर ई-रिक्शा का पंजीयन शुरू

- कलेक्टर ने किया निरीक्षण, पहले दिन 529 ईरिक्शों का हुआ पंजीयन

ग्वालियर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुचारू व सुव्यवस्थित बनाने के लिये शहर में ई-रिक्शा के रूट निर्धारित किए जा रहे हैं। साथ ही लॉटरी पद्धति से यह तय किया जायेगा कि किस रूट पर कौन सा पंजीकृत ई-रिक्शा चलेगा। इस सिलसिले में रविवार से शहर में आधा दर्जन स्थानों पर नाके सह शिविर लगाकर ई-रिक्शा के पंजीयन का काम शुरू किया गया। पहले दिन ई-रिक्शा के पंजीयन के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। पहले दिन कुल मिलाकर 529 ई-रिक्शा का पंजीयन हुआ है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने रविवार को फूलबाग क्षेत्र में संचालित ई-रिक्शा पंजीयन केन्द्र का जायजा लिया। स्मार्ट सिटी के कंट्रोल एण्ड कमाण्ड सेंटर से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंजीयन के पहले दिन यानि 23 जून को हजीरा क्षेत्र में स्थापित किए गए नाका सह शिविर में 120 ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया। इसी तरह बारादरी पर 35, गोला का मंदिर पर 180, फूलबाग चौराहे पर 55, महाराज बाड़ा पर 87 एवं आमखो पर स्थापित किए गए नाका सह शिविर में 52 ई-रिक्शों का पंजीयन किया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने पंजीयन स्थलों एवं तिथियों के बारे में स्मार्ट सिटी के आईटीएमएस पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। इस परिपालन में ग्वालियर शहर में विभिन्न तिराहों-चौराहों सहित कुल 31 स्थानों पर स्मार्ट सिटी के पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम से पंजीयन के संबंध में एनाउंसमेंट किया जा रहा है। ज्ञात हो ई-रिक्शा का पंजीयन कराने के लिये एक हफ्ते का अंतिम मौका दिया गया है। शहर में नाके सह शिविर लगाकर आधा दर्जन स्थानों पर ई-रिक्शा का पंजीयन किया जा रहा है। इन नाकों पर 29 जून तक ई-रिक्शा पंजीयन की कार्यवाही की जायेगी। अंतिम तिथि के बाद बगैर पंजीयन के कोई ई-रिक्शा शहर में चलता मिला तो उसे जब्त करने की कार्रवाई की जायेगी।

दान से होती है धन की शुद्धि: पं. कांकोरिया

– चंद्रनगर में श्रीमद्भागवत कथा का समापन

ग्वालियर। जिसका मित्र स्वयं तीनों लोकों का स्वामी हो, वो दरिद्र कैसे हो सकता है। सुदामा दरिद्र नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने मित्र श्रीकृष्ण की दरिद्रता से बचाने के लिए दरिद्रता के चने खा लिए जिसकी वजह से उनके जीवन में आभाव आ गए। यह विचार पं. आचार्य संतोष कांकोरिया ने चंद्रनगर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस रविवार को व्यक्त किए। अंतिम दिन होने की वजह से भारी तादाद में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण किया।

पं. कांकोरिया ने महाभारत का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि महाभारत के युद्ध के बाद जब कुंती ने पांडवों को बताया कि कर्ण सूत पुत्र नहीं था, बल्कि आपका ही भाई था। यह सुनकर पांडव दंग रह गए और युधिष्ठर यह सुनकर क्रोधित हो गए। उन्होंने कुंती का श्राप दिया कि आज के बाद किसी भी महिला के पेट में कोई बात नहीं पचेगी। उन्होंने बताया कि रामावतार में भगवान की जो लीलाएं शेष रह गई वो उन्होंने द्वापुर में लीला पुरूषोत्तम श्रीकृष्ण बनकर कीं। स्वच्छता को लेकर उन्होंने कहा कि हमें अपने घर को साफ सुथरा रखने के साथ अपने वस्त्रों को भी स्वच्छ रखना चाहिए। जो लोग गंदगी में रहते हैं, उनके घर देवी लक्ष्मी की कृपा नहीं होती है। उन्होंने कहा कि दान से धन की शुद्दि होती है, इसलिए समय समय पर धन को शुद्ध करने के लिए दान करते रहना चाहिए। इस मौके पर कथा परीक्षत पुष्पादेवी लालता प्रसाद, भानु प्रकाश, जयप्रकाश, निकुंज कांकोरिया, अरुण, महेंद्र, अजय, सूरज, मोहन, राजवीर आदि लोग उपस्थित थे।

डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा ने पुष्पांजलि अर्पित की

ग्वालियर। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, महान शिक्षाविद्, प्रखर देशभक्त, सजग राजनेता, सांसद, आजाद भारत के प्रथम वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, अदम्य साहस के धनी और सहृदय मानवतावादी, राष्ट्रवादी विचारों पोषक, संपूर्ण भारत भारत के प्रबल समर्थक, सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं। इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूलबाग स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में मध्य प्रदेश शासन के मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जयप्रकाश राजोरिया, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, साडा पूर्व अध्यक्ष जयसिंह कुशवाह, पूर्व बीज विकास निगम अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल,भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष देवेश शर्मा, कमल माखीजानी, अशोक शर्मा, जिला महामंत्री विनय जैन, विनोद शर्मा अजित बरैया, उपेंद्र सिंह बैंस, सुमन शर्मा, अशोक जादौन, रामेश्वर भदोरिया, कनवर मंगलानी, जयप्रकाश मिश्रा, राजू सेठ, राजू सेंगर, रेखा त्रिपाठी, वंदना शर्मा, बचौला गुर्जर, डालचंद वर्मा, गुड्डू वारसी, राजेंद्र सिंह कुशवाह, केशव सिंह राजपूत, नरेश देव, रामनारायण मिश्र, उमाशंकर सोनी, रुचिका श्रीवास्तव, प्रियंका गर्ग सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक 28 को

ग्वालियर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आगामी 28 जून को बुलाई गई है। 28 जून को यह बैठक सांसद भारत सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में प्रातः 10 बजे से कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित होगी। बैठक में अमृत योजना, जल जीवन मिशन, रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य, वेस्टर्न बाईपास, यमुना एक्सप्रेस-वे को जोड़ते हुए ग्वालियर एक्सप्रेस-वे हाईवे निर्माण, एलीवेटेड रोड़, लोक निर्माण विभाग एवं सड़क विकास निगम के प्रगतिरत कार्य, चंबल नदी पेयजल प्रोजेक्ट एवं रायपुर, वीरपुर व हनुमान बाँध को भरने के लिये निर्माणाधीन फीडिंग कैनाल की समीक्षा होगी। साथ ही प्रधानमंत्री सड़क योजना, जिला खनिज मद के कार्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन एवं प्रस्तावित वृक्षारोपण कार्ययोजना सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की समीक्षा होगी।

कलेक्ट्रेट में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

ग्वालियर। जिले में बारिश के मौसम को ध्यान में रखकर एहतियात बतौर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इस बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना कलेक्ट्रेट के कक्ष क्र.-301 में की गई है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्यरत रहेगा। इसके सुचारू संचालन के लिये तीन पालियों में हर दिन के हिसाब से अलग-अलग अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 30 सितम्बर तक संचालित रहेगा। सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख विजय महाजन एवं रामनिवास शर्मा को बाढ़ नियंत्रण कक्ष को सुचारू रूप से संचालित कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जो चाहिए वह दूसरों को दीजिए आपको कई गुना अधिक लौटकर मिलेगा : डॉ गुरचरण सिंह

– ब्रह्माकुमारीज बिजनेस विंग की आध्यात्मिकता प्रेरित वित्तीय विकास कार्यशाला संपन्न

ग्वालियर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की भगिनी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा रविवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में अबंडंस एक्सीलेटर हब के फाउंडर डॉ. गुरचरण सिंह, ब्रह्माकुमारीज की केंद्र प्रभारी बीके आदर्श दीदी, मुख्तियार सिंह यादव सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, डॉ. मनमोहन कौर और डॉ. कनुप्रिया आहूजा उपस्थित थीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ।

कार्यशाला में बीके डॉ गुरचरण सिंह ने कहा कि सभी को वर्तमान में जीना चाहिए ज्यादातर लोग भूतकाल और भविष्य काल में जीते हैं यही अशांति का कारण बन जाता है। दीपावली पर लक्ष्मी (धन) को पूजते हैं इसका मतलब है कि लक्ष्मी अति आवश्यक है। अध्यात्म हमें संपन्न बनाता है हर क्षेत्र विशेष में सफल होने में सहायक भूमिका निभाता है। यहां तक कि आर्थिक रूप से भी सफल होने में अध्यात्म की भूमिका है। धन तनाव नहीं लाता जब व्यक्ति अध्यात्म के साथ धन कमाने में विश्वास रखता है। अधिक कमायें और अधिक टेक्स दें यह मानसिकता होनी चाहिए। टेक्स बचाने की मानसिकता नहीं होनी चहिए। सदैव सकारात्मक रवैया धन के प्रति रखें, धन के प्रति नकारात्मक रवैया न रखें। सदैव भरपूरता से जुड़े रहे। जो दिमाग पर चढ़ जाए वह माया है। जो आध्यात्मिकता से दूर ले जाए वह भी माया है। इस मौके पर बीके प्रहलाद भाई ने कहा कि सदैव सकारात्मक व अच्छा सोचे। हम अपनी-अपनी भूमिका निभा रहे हैं। दूसरों की नकारात्मकता से प्रभावित न हो, अपनी सकारात्मक से प्रभावित करें। जिसे जीवन जीने की कला आती है उसका जीवन बेहतर बन जाता है मुस्कुराहट ही जीवन है इसलिए सदा मुस्कुराते रहिए। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से वित्तीय विकास कर सकते है।

इस मौके पर डॉक्टर कनुप्रिया आहूजा ने कहा कि देवी और देवताओं से हमें पॉजिटिव एनर्जी प्राप्त होती है। किसी की उन्नति को देखकर प्रसन्न होंगे तो आप भी उन्नति को पाएंगे। डॉ मनमोहन कौर ने कहा कि घृणा और द्वेष से दूर रहे आप पीछे चले जाएंगे आगे जाने के लिए घृणा और द्वेष को छोड़े सबके लिए अच्छा करें कभी किसी का बुरा नहीं सोचे। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रही केंद्र प्रभारी बीके आदर्श दीदी ने कहा कि इंसान की इच्छाएं बहुत बढ़ गई है। क्षमता से अधिक जब धन का खर्च करते हैं तो समस्याएं और ही बढ़ जाती हैं इन परिस्थितियों में आध्यात्मिकता को साथ लेकर बचत व समझदारी से व्यय कर जीवन को अनुकूल बना सकते हैं। कार्यशाला में बीके जीतू ने ब्रह्माकुमारीज के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग की जानकारी दी तथा संस्थान के प्रतिभाशाली भाई बीके पवन ने अपनी नृत्य प्रस्तुति दी। संचालन एवं आभार बीके प्रहलाद भाई ने किया।

जंगली हाथियों के विचारण क्षेत्र गोबरी का कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, पुष्पराजगढ़ विधायक व जिपं सीईओ ने लिया जायजा

अनूपपुर। जिले के वन परिक्षेत्र जैतहरी के बीट गोबरी के कक्ष क्रमांक 302 में विगत कई दिनों से दो हाथियों के द्वारा ग्रामीणों के खेतों तथा घरों में रखे अनाज, सब्जियां एवं अन्य आहार को अपना ग्रास बनाने के लिए रहवासो को नुकसान पहुंचाया जा रहा है जंगली हाथियों के ठहराव से जहां एक और ग्रामीण परेशान है वहीं जिला प्रशासन के आला अधिकारी भी निरंतर निगरानी में लगे हुए हैं तथा हाथियों के विचरण की मॉनिटरिंग के साथ ही ग्रामीणों के सुरक्षात्मक प्रयास हेतु जन जागरूकता आदि के प्रयास अपने स्तर से सुनिश्चित किये जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से अनूपपुर जिले की सीमा में प्रवेश करने वाले जंगली हाथियों के द्वारा ग्रामीणो व किसानों के नुकसानी की समस्या तथा जान माल की रक्षा के लिए सतत चौकन्ना रहने की समस्या विगत वर्षों मे होने से कानून व्यवस्था के नजरिये से जिला प्रशासन को दिक्कतो का भी सामना करना पड़ रहा है। जंगली हाथियों के छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से जिले के गोबरी क्षेत्र में विगत कई दिनों से रहने के कारण ग्रामीण क्षेत्र में दहशत को देखते हुए कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह पवार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने वन क्षेत्र गोबरी का जायजा लिया गया इस दौरान पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिंह भी उपस्थित हुए उन्होंने मौका भ्रमण किया तथा ग्रामीणों से चर्चा करते हुए जंगली हाथियों के विचरण को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षात्मक सावधानियां बरतने की अपील की गई

उन्होंने कहा कि चौकन्ना रहकर जान माल की सुरक्षा सभी लोग सुनिश्चित करें वरिष्ठ अधिकारियों के भ्रमण के दौरान एसडीएम अनूपपुर दीपशिखा भगत, प्रभारी रेंज ऑफिसर, रेंज ऑफिसर कोतमा , डिप्टी रेंजर जैतहरी सहित वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

गोगरी ग्राम का भ्रमण करते हुए कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने वन अधिकारियों को जंगली हाथी जिस मार्ग से आए हैं उसी मार्ग से वापसी के लिए रूपरेखा तैयार करने संबंधी कार्यवाही वरिष्ठ वन अधिकारियो के निर्देशानुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जंगली हाथियों के विचरण की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए उन्होंने कहा कि जंगली हाथियों के वापसी कार्य में अनुभवी वन अधिकारियों का मार्गदर्शन लेकर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए जिससे जंगली हाथियों के बार-बार विचरण से हो रहे नुकसान से ग्रामीणों को राहत मिलने के साथ ही शांतिपूर्ण जीवन यापन भी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को ग्रामीणों से चर्चा कर सहयोग प्राप्त करने के भी निर्देश दिए।

दो बूंद जिंदगी के लिए बच्चों को दो बूंद पोलियो की खुराक पिलाकर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने, किया तीन दिवसीय अभियान का शुभारंभ

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने आज अपने गृह जिले के जिला मुख्यालय अनूपपुर स्थित वार्ड क्रमांक 2 के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंच कर नन्हे बच्चों को पोलियो की दो बून्द पिलाकर इस राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की। तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक कुमार अवधिया ,डॉक्टर एस.सी. राय, डॉ धनीराम सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी व स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास का अमला उपस्थित था।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने इस दौरान बच्चो को पोलियो ड्रॉप पिलाई। तथा उपस्थित जनों को अभियान के सफल क्रियान्वयन में सहयोग का संकल्प दिलाया।

राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने अभिभावकों से आव्हान करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को दो बूंद जिंदगी की खुराक अवश्य पिलाये ताकि कोई भी बच्चा छूटे ना ज्ञात हो कि आज राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान 23 जून 2024 को आयोजित किया जा रहा है। पल्स पोलियो अभियान तीन दिवस तक चलाया जायेगा। प्रथम दिवस 23 जून को पोलियो बूथ पर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के साथ 24 एवं 25 जून को टीम सदस्यों द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।

पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी संजय गांधी को श्रद्धांजलि

ग्वालियर। कांग्रेसजनों ने रविवार को पुण्यतिथि पर स्व. संजय गांधी जयेन्द्रगंज स्थित प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर माल्यार्पण कर विनम्र श्रृद्धांजली अर्पित की।

स्व. संजय गांधी को श्रद्धांजलि देते हुये कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा एवं महापौर श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा कि आ.भा. कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री स्व. संजय गांधी के द्वारा 1977-79 में केन्द्र की जनता पार्टी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिये निर्णायक संघर्ष किया। जिसके फलस्वरूप देश में श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार स्थापित हुई। स्व. गांधी ने परिवार नियोजन का कार्यक्रम चलाया जो आज प्रभावी सिद्ध हुआ। स्व. संजय गांधी को श्रद्धांजलि देने वालों में ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे, विधायक सतीश सिकरवार, वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल, वीर सिंह तोमर, संगठन मंत्री सुरेन्द्र यादव, अवधेश कौरव, जेएच जाफरी, सरमन सिंह राय, भैयालाल भटनागर, पूरन सिंह कुशवाह, सतीश मिश्रा, सेवादल अध्यक्ष हरेन्द्र सिंह गुर्जर, देशराज भार्गव एड, अवनीष गौड़, महेश मधुरिया, शंकर गाबरा, धर्मेन्द्र शर्मा धीरू, ब्लॉक अध्यक्ष हितेन्द्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष महादेव अपोरिया, अब्दुल हमीद पप्पू, राजेश खान, पार्षद पी.पी. शर्मा, सुरेंद्र साहू, अंकित कटठल, संजीव दीक्षित, आदि उपस्थित थे।

बजरंग भक्त मंडल ने की हरे चारे की गौभोग सेवा

ग्वालियर। बजरंग भक्त मंडल द्वारा रविवार को जनकताल स्थित गौशाला में 500 किलो हरे चारे की सेवा की गई। वहीं गोपालदास अग्रवाल के सहयोग से भोजन (रोटी एवं सब्जी) वितरण की सेवा 1000 बिस्तर अस्पताल पर की गई। गौसेवा में मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल, सचिव राकेश मंगल, उपाध्यक्ष अमन गर्ग, सह सचिव नमन अवस्थी, कोषाध्यक्ष रामकिशोर मंगल, गोपाल दास अग्रवाल, संजीव गुप्ता, चमन गर्ग, दीपक बघेल, हरिशचंद्र अग्रवाल, हरीश राठौर आदि उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय पहुंच मंत्री दिलीप जायसवाल ने भालू के हमले में घायल से मिलकर जाना हाल-चाल

– ली स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, हर संभव मदद का दिया आश्वासन

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचकर नगर परिषद डूमरकछार निवासी भालू के हमले से घायल वृद्ध बुद्धू बैगा के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री जायसवाल के भ्रमण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर ए के अवधिया, सहित सर्व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री दिलीप जायसवाल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भालू के हमले से घायल श्री बैगा के चिकित्सा एवं उपचार के लिए हर संभव बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही उन्होंने जिला चिकित्सालय के भ्रमण के दौरान भर्ती मरीजों से भी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं के प्रति सभी मरीजों द्वारा संतुष्टि व्यक्त की गई।

कोयला खनन क्षेत्र के यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को प्रोत्साहन स्वरूप मिलेंगे एक लाख रुपये

अनूपपुर। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधियों के हिस्से के रूप में निर्माण (राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा के मुख्य उम्मीदवारों को पुरस्कृत करने के लिए नोबल पहल) योजना शुरू की है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सिविल सेवा और वन सेवा परीक्षा 2024 के प्रारंभिक दौर में उत्तीर्ण होने वाले खनन जिलों के प्रत्येक उम्मीदवार को 1 लाख रुपये दिए जाएंगे।

योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया आदि सहित अधिक जानकारी के लिए कृपया लिंक https://www.coal india.in/departments/csr/ पर जाएं। प्रारंभिक नतीजे घोषित होने के अगले दिन से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सीआईएल पात्र उम्मीदवारों को आवेदन करने और योजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।